संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -189 शनिवार, 11 मई 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

तिहाड़ जेल से बाहर निकल केजरीवाल दहाड़े...मैं आ गया बाहर

» तिहाड़ जेल से बाहर निकले सीएम केजरीवाल बोले...कहा था जल्द आऊंगा...

» सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद अब अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल से बाहर आ गए हैं बड़ी संख्या में जुटे आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जबरदस्त स्वागत किया...

नई दिल्ली,10 मई 2024 (ए)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया है.। केजरीवाल को जेल नंबर 2 से छोड़ा गया और वे तिहाड़ जेल के गेट नंबर 4 से बाहर आए. केजरीवाल ने जेल से बाहर आने के बाद कहा कि मैंने कहा था कि जल्द आऊंगा, आ गया। साथ ही उन्होंने कहा कि हनुमान जी के आशीर्वाद से आप सबके बीच हूं। देश के करोड़ लोगों ने अपना आशीर्वाद मुझे भेजा। इस दौरान उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के जजों का भी धन्यवाद व्यक्त किया। साथ ही इस मौके पर उन्होंने भारत माता की जय के नारे भी लगाए।

तन-मन-धन से लड़ रहा हूं:अरविंद केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने तिहाड़ से बाहर आने के बाद कहा कि हम सबको मिलकर तानाशाही से देश को बचाना है। उन्होंने कहा कि मैं तन मन धन से लड़ रहा हूं...और तानाशाही से संघर्ष कर रहा हूं।. साथ ही उन्होंने अपना कल का कार्यक्रम भी बताया है। उन्होंने कहा कि वे आज सुबह 11 बजे कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में जाकर हनुमान जी का आशीर्वाद लेंगे और इसके बाद कल दोपहर 1:00 बजे पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी।

आप कार्यकर्ताओं में उत्साह...बांटी मिठाई

सुप्रीम कोर्ट ने आज केजरीवाल को बड़ी राहत देते हुए दिल्ली शराब घोटाले मामले में एक जून तक अंतरिम जमानत दे दी थी। इसके बाद से ही केजरीवाल के समर्थकों में जबरदस्त उत्साह और खुशी है। बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता तिहाड़ जेल पहुंचे थे। उत्साहित कार्यकर्ताओं ने तिहाड़ जेल के बाहर मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी जताई।

जमानत मिलना किसी चमत्कार से कम नहीं : भारद्वाज

भारद्वाज ने कहा, केजरीवाल को 40 दिन बाद अंतरिम जमानत मिलना किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह दैवीय संकेत भी है कि देश में मौजूदा हालात बदलने वाले हैं. उनकी रिहाई से देश में बड़े बदलावों का मार्ग प्रशस्त होगा।पार्टी की दिल्ली इकाई के संयोजक गोपाल राय ने कहा कि देश में लोकतंत्र से प्यार करने वाले सभी लोग शीर्ष अदालत के फैसले से बहुत खुश हैं और यह उनके लिए आशा की किरण है। उन्होंने कहा,शीर्ष अदालत के फैसले ने न केवल केजरीवाल को अंतरिम जमानत प्रदान की है, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की जीत भी सुनिश्चित की है।

सुनीता केजरीवाल ने बताया लोकतंत्र की जीत

वहीं केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शुक्रवार को उनके पति को अंतरिम जमानत देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लोकतंत्र की जीत बताया और कहा कि यह राहत लाखों लोगों की प्रार्थना और आशीर्वाद का परिणाम है।

केजरीवाल जमानत मिलने के बाद वह लोकसभा चुनाव के शेष चार चरणों में प्रचार कर सकेंगे। इस तरह से चुनाव प्रचार के लिए केजरीवाल 21 दिन तक तिहाड़ से बाहर रहेंगे। कोर्ट ने केजरीवाल को 50 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी है। साथ ही कोर्ट ने कुछ अन्य शर्तें भी लगाई हैं।अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने तिहाड़ जेल के बाहर जश्न मनाते हुए मिठाइयां बांटी।

देश लोकतंत्र का पालन करने में दृढ़ : शरद पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दिए जाने का स्वागत किया और कहा कि देश लोकतंत्र का पालन करने में दृढ़ है। पवार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा,मैं उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने के आदेश का स्वागत करता हूं। भारत लोकतंत्र का पालन करने में दृढ़ है.

पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद व्यक्त किया

आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने के लिए शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय का धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि उनकी रिहाई से देश में बड़े बदलावों का मार्ग प्रशस्त होगा। पार्टी कार्यालय में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में आप नेता एवं दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अंतरिम जमानत को केजरीवाल के लिए भगवान हनुमान का आशीर्वाद बताया।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई हैं कुछ शर्तें

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि अपीलकर्ता अरविंद केजरीवाल को 1 जून 2024 तक अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाएगा और 2 जून 2024 को आत्मसमर्पण करना होगा।

इसके लिए कोर्ट ने कुछ शर्तें लगाई हैं...यह इस प्रकार हैं...

- ✷ वह जेल अधीक्षक की संतुष्टि के लिए इतनी ही राशि की जमानत के साथ 50 हजार रुपये की राशि में जमानत बांड प्रस्तुत करेंगे।
- ✷ केजरीवाल मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली सचिवालय का दौरा नहीं करेंगे।
- ✷ जब तक उपराज्यपाल की मंजूरी के लिए जरूरत ना हो तब तक अरविंद केजरीवाल किसी भी फाइल पर साइन नहीं करेंगे।
- ✷ अरविंद केजरीवाल शराब नीति घोटाले में अपने भूमिका को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।
- ✷केजरीवाल किसी भी गवाह के साथ बातचीत नहीं करेंगे।

केजरीवाल ने 5 जून तक मांगी थी अंतरिम जमानत

सुप्रीम कोर्ट में आज न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में केजरीवाल के वकील अभिषेक सिंघवी के इस अनुरोध को स्वीकार नहीं किया कि उन्हें चार जून को होने वाली मतगणना के एक दिन बाद पांच जून तक अंतरिम जमानत दी जाए। सुप्रीम कोर्ट की ओर से केजरीवाल की इस मांग को खारिज कर दिया। केजरीवाल को दो जून को आत्मसमर्पण करना होगा।

संक्षिप्त खबर

चाचा-भजीते के बीच मनमुटाव खत्म

नई दिल्ली,10 मई 2024 (ए)। देश में सभी दलों के नेता बिहार की राजनीति में चाचा-भजीते पर नजरे गड़ाए हुए है। इस बीच, बिहार में एनडीए से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। जहां पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के प्रमुख पशुपति पारस की इच्छा अपने भतीजे और हाजीपुर से प्रत्याशी चिराग पासवान के चुनाव प्रचार करने की है।

बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय

नई दिल्ली,10 मई 2024(ए)। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण सिंह के खिलाफ महिला पहलवान यौन शोषण मामले में आरोप तय हो गए हैं।

दाभोलकर हत्याकांड में दो को उम्रकैद,तीन को किया बरी

पुणे,10 मई 2024(ए)। महाराष्ट्र के पुणे की एक विशेष अदालत ने अंधविश्वास के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के मामले में 11 साल बाद अपना फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने दो लोगों को दोषी ठहराया और तीन अन्य आरोपियों को बरी कर दिया। दाभोलकर को गोली मारने वाले शरद कालस्कर और सचिन एंडुरे को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। प्रत्येक पर 5 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है।

लोकसभा चुनाव में सैम पित्रौदा के बाद फिर मणिशंकर अय्यर का विवादित बयान

बोले...भारत को पाकिस्तान की इज्जत...

नई दिल्ली,10 मई 2024 (ए)। कांग्रेस के बड़े नेताओं के विवादित बयान से कांग्रेस की परेशानी बढ़ रही है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रौदा के बाद अब लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अय्यर की एंट्री हो गई है।

मणिशंकर अय्यर ने कहा है कि पाकिस्तान का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि उसके पास परमाणु बम है। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि वीडियो ताजा है या पुराना। लेकिन भाजपा और कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया आ गई है। मणिशंकर अय्यर के हालिया बयान पर बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, कांग्रेस का 'पाकिस्तान प्रेम' रुकने का नाम नहीं ले रहा है। 'प्रथम परिवार' के करीबी मणिशंकर अय्यर का कहना है कि पाकिस्तान का सम्मान किया जाना चाहिए और उससे बातचीत की जानी चाहिए। वही पाकिस्तान जो हमारे देश में आतंकवादी भेजता रहता है।

पूनावाला ने कहा अब जब पुलवामा जैसी घटनाएं होती हैं, तो करारा जवाब दिया जाता है। आज पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्हें बख्शने की गुहार लगाता रहता है। कांग्रेस की लिस्ट देखिए...कैसे उन्हें सबसे पहले पाकिस्तान से समर्थन मिला, 26/11 में कसाब को क्लीन चिट दी गई, पाकिस्तान की भाषा बोली गई 'भारत प्रशासित कश्मीर' शब्द बोलकर अब 'कांग्रेस का हाथ' को 'पाकिस्तान के साथ' के साथ देखा जा रहा है, यह उसी का एक और उदाहरण है।

मणिशंकर के विवादित बयान

नरेंद्र मोदी 'नीच किस्म का आदमी'।
मैंने नहीं सोचा था कि 2014 से एक सीएम जो मुसलमानों को पिल्ला समझता है, वह पीएम बनेगा।
गलत था राजीव गांधी का राम मंदिर के ताले खुलवाना का फैसला।
पीवी नरसिम्हा राव कांग्रेस से प्रधानमंत्री थे।
भारत टूटा हुआ है और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का मकसद इसके नाम में छिपा है।
मुगलों ने इस देश को अपना बनाया, देशभक्त थे बाबर और हुमायूं।
दशरथ के महल में 10 हजार कमरे थे, राम किसमें पैदा हुए?

ओवैसी ने अपने छोटे भाई को बताया तोप,नवनीत राणा का चैलेंज स्वीकारा

तेलंगाना,10 मई 2024 (ए)। हैदराबाद लोकसभा सीट से सांसद और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी के भाई अकबरुद्दीन ओवैसी एक बार फिर चर्चा में हैं। पिछले दिनों बीजेपी से लोकसभा प्रत्याशी माधवी लता के समर्थन में वोट मांगने पहुंची । अमरावती से बीजेपी कैंडिडेट नवनीत राणा ने ओवैसी ब्रदर्स को निशाने पर लिया। इस दौरान उन्होंने अकबरुद्दीन ओवैसी के विवादित बयान (पंद्रह मिनट) की बात करते हुए भड़काऊ भाषण दिया और 15 सेकंड का चैलेंज दिया। इस बीच असदुद्दीन ओवैसी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वो नवनीत राणा के बयान पर पलटवार करते नजर आ रहे हैं। ओवैसी के ऑफिसियल इंस्टाग्राम हैंडल पर वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसमें नवनीत राणा के बयान का जिक्र करते हुए कहते हैं कि क्या मुर्गी का बच्चा हूं मैं? बताओ कहां आना है।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि छोटा (अकबरुद्दीन ओवैसी) किसी के बाप का सुनने वाला नहीं है, उसको समझाने वाले का नाम असदुद्दीन ओवैसी है। अगर जिस दिन मैं छोटे को बोला कि मैं आराम करता हूं, तुम संभालो, फिर तुम संभालो। तुमको मालूम है कि क्या छोटा? तोप है वो, सालार का बेटा है। ओवैसी ने आगे नवनीत राणा को निशाने पर लेते हुए कहा कि वो एमपी साहिबा जो महाराष्ट्र से आकर छोट-छोटे कर रही हैं। अरे, मैं छोटे को रोककर रखा हूं। तुमको मालूम ही क्या है कि छोटा क्या है, बहुत मुश्किल से समझा रखा हूं। अगर शुरू हो गया टी 20,तो तुम्हारा भी टी 20 कैसा होगा। क्या मुर्गी का बच्चा हूं मैं, पंद्रह सेकेंड ये कर देंगे। क्या भारत में कोई कानून नहीं है? पुलिस नहीं है? कोई भी आ रहा है,बोलकर जा रहा है।

सेना के बैंड के साथ खुले गंगोत्री धाम के कपाट

उत्तरकाशी,10 मई 2024 (ए)।अक्षय तृतीया से उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा 2024 का आगाज हो गया। शुक्रवार को वैदिक मंत्रोच्चार, धार्मिक अनुष्ठान और जय मां गंगा के जयकारों के साथ पूरे विधि विधान से गंगोत्री धाम के भी कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। यहां सेना के बैंड बाजों की अगुवाई के साथ गंगोत्री धाम के कपाट 12:25 मिनट पर खोल दिए गए।

शुक्रवार सुबह साढ़े सात बजे भैरों घाटी से गंगा जी की डोली यात्रा गंगोत्री के लिए रवाना हुई। साढ़े नौ बजे डोली गंगोत्री पहुंची और यहां गंगा लहरी एवं गंगा सहस्त्रनाम पाठ के साथ ही हर-हर गंगे के जयकारों से पूरा गंगोत्री गूंज उठा। साथ ही यहां आए सभी भक्त इस पल के साक्षी बने।शुक्रवार सुबह ही गंगोत्री धाम के कपाट खोलने के लिए मां गंगा की डोली ने भैरव घाटी से प्रस्थान किया था। इससे पहले भैरव घाटी में मां गंगा की विशेष पूजा अर्चना की गई। जिसके बाद मां गंगा की डोली यात्रा गंगोत्री धाम के लिए रवाना हुई। धाम में गंगा की विशेष पूजा-अर्चना की गई।

आ रहा है इंडिया का तूफान

»उड़ती दिखाई देगी भाजपा...

» राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर जमकर बोला हमला...

कन्नौज,10 मई 2024 (ए)। कन्नौज में जनसभा को संबोधित करने के दौरान राहुल गांधी ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन इंडिया की सबसे बड़ी जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि यूपी में इंडिया का तूफान आ रहा है। लोकसभा चुनाव के बीच आज यूपी के कन्नौज में राहुल गांधी ने पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।

रोजगार के मसले पर नरेंद्र मोदी सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि हम लोग बेरोजगारों के हित में सबसे बड़ा काम करने जा रहे हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि 15 अगस्त तक 30 लाख लोगों को नौकरी देने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। अडानी-अंबानी विवाद पर पर हमला करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री को घेरा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी डर गए हैं। इसी डर के कारण अपने मित्रों से कह रहे हैं, अडाणी-अंबानी मुझे बचाओ। इंडिया गठबंधन ने मुझे घेर लिया है। मैं हारने वाला हूं।

बीजेपी की सबसे बड़ी हार यूपी में...

राहुल गांधी ने यूपी में विपक्ष की जीत का दावा करते हुए कहा कि प्रदेश में विपक्षी गठबंधन का तूफान आ रहा है। इंडिया के तूफान में भाजपा उड़ने वाली है। यूपी में भारतीय जनता पार्टी को सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ने वाला है। राहुल ने कहा कि लिख के ले लो, देश में भाजपा की सबसे बड़ी हार यूपी में होने वाली है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि मैंने और अखिलेश जी ने निर्णय ले लिया है कि बीजेपी छोड़ो, दुनिया की कोई शक्ति नहीं छू सकती है। इस किताब में गरीब लोगों की आत्मा है।

सुप्रीम कोर्ट ने उदयनिधि स्टालिन की याचिका पर राज्यों को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली,10 मई 2024(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की याचिका पर विभिन्न राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया। याचिका में उदयनिधि ने 'सनातन धर्म' पर अपने बयानों को लेकर विभिन्न राज्यों में दर्ज एफआईआर और शिकायतों को एक साथ जोड़ने की मांग की गई है।याचिका पर विचार करने पर सहमति जताते हुए न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले में राज्य सरकारों से जवाब मांगा। पीठ में न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता भी शामिल हैं।

टाटा स्टील के बिजनेस हेड की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर,एक बदमाश फरार

गाजियाबाद,10 मई 2024 (ए)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 3 मई की रात को टाटा स्टील के बिज़नेस हेड विनय त्यागी की हत्या के आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया है। आज सुबह तड़के चार बजे के आसपास गाजियाबाद इलाके में हुई इस मुठभेड़ में आरोपी अक्की उर्फ दक्ष को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया है। जबकि एक बदमाश मौके का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहा। मुठभेड़ में एक पुलिस सब इंस्पेक्टर को भी गोली लगी है।

सरकारी गवाह बनने पर आरोपी से प्राप्त साक्ष्य का इस्तेमाल उसके खिलाफ नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली,10 मई 2024(ए)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी संजय कंसल को सीबीआई जांच में सरकारी गवाह बनने के बाद जमानत प्रदान कर दी। न्यायमूर्ति अमित शर्मा ने अपने फैसले में कहा कि कंसल द्वारा अनुसूचित अपराध में सरकारी गवाह के रूप में प्रदान किए गए साक्ष्य का उपयोग धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही कार्यवाही में उनके खिलाफ नहीं किया जा सकता है। यह निर्णय अनुसूचित अपराधों के लिए माफ़ी के बाद, सीबीआई मामले में गवाह के रूप में कंसल की स्थिति से उपजा है। इसलिए, उन कार्यवाहियों में उनका साक्ष्य पीएमएलए मामले में स्वीकार्य नहीं है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कंसल पर अन्य सह-अभियुक्तों के साथ साजिश के तहत लगभग 50 करोड़ रुपये का मनी लांड्रिंग का आरोप लगाया था। इन आरोपों के बावजूद, कंसल की भूमिका संबंधित कंपनी मेसर्स एसबीबीईएल के भीतर प्रबंधकीय या प्रमुख निर्णय लेने की क्षमताओं तक विस्तारित नहीं हुई।

संपादकीय

चंदा लेने का आरोप

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश की गई है। उन पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस से देवेन्द्र पाल भुल्लर की रिहाई की एवज में 1.6 करोड़ डॉलर बतौर चंदा लेने का आरोप है।दिल्ली के उपराज्यपाल ने वीके सक्सेना ने विश्व हिन्दू महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव आशु मोंगिया के साक्ष्य-आधारित आरोप के मद्देनजर एनआईए जांच की अनुशंसा की है। केजरीवाल पहले से ही आबकारी नीति मामले में जेल में हैं, जिसमें जमानत पर मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया। इसके एक दिन पहले जांच की सिफारिश की गई है। ताजा आरोप केजरीवाल के वर्तमान और भविष्य के लिए एक नये फंदे की तरह है।पंजाब के खालिस्तान आंदोलन के दौरान भुल्लर का रक्तरंजित इतिहास रहा है। वह खालिस्तान लिबरेशन फ्रंट से जुड़ा कुख्यात आतंकी है, जिसने दिल्ली की रायसीना रोड स्थित युवक कांग्रेस मुख्यालय के सामने 11 सितम्बर, 1993 को बम विस्फोट कर राजधानी को दहला दिया था। इसमें 11 लोग मौके पर ही मारे गए थे। जाहिर तौर पर यह मामला मौजूदा कानून के मुताबिक देशद्रोह की कोटि में आता है। ऐसे में चंदे का आरोप सिद्ध हो गया, जैसा कि उपराज्यपाल का मोंगिया के सुपुर्द किए साक्ष्यों के आधार पर दावा है, तो केजरीवाल राजनीतिक बियावान में जा सकते हैं।एक वीडियो में खालिस्तान समर्थक आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को यह कहते सुना-देखा गया है कि केजरीवाल की आम आदमी पार्टी सरकार को 2014 से 2022 के दौरान खालिस्तान समर्थक समूहों से 1.6 करोड़ डॉलर की फंडिंग मिली थी। फिर भी आप को इसमें राजनीतिक षड्यंत्र लगता है। इसका मकसद आम चुनाव से केजरीवाल को दूर रखना है। उसे लगता है कि उपराज्यपाल भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं, जबकि उन्हें सांविधानिक एजेंट के रूप में काम करना चाहिए।इस पद की व्यवस्था केंद्र-राज्य सरकारों के बीच समन्वयक एवं संकटमोचक दायित्व-पूर्ति के लिए की गई है। आप ने यह खुलासा नहीं किया है कि उसके आरोप का आधार क्या है? पर ऐसे गंभीर आरोप किसी भी पार्टी या सरकार की मुखिया के विरुद्ध लगे तो उसकी जांच की सिफारिश उपराज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है। इसे केवल चुनाव या जमानत पर सुनवाई की टाइमिंग या इस बिना पर भी स्थगित नहीं किया जा सकता कि ये आरोप किसी खास संगठन की तरफ से लगाए जा रहे हैं।

भारत के पास तिब्बत के रूप में है ऐसा ब्रह्मास्त्र, चीन की सारी चालबाजियों को पल भर में कर देगा परास्त

“फिलीपींस में भारत की ब्रह्मोस मिसाइल पहुंच गई है...और वहां की सैना उसकी तैनाती करेगी...फिलीपींस में अमेरिका ने अपनी नई टायफून मिसाइल प्रणाली तैनात कर रखी है...फिलीपींस में अमेरिका को चार बेस का एक्सेस है मिला हुआ ...”

चीन आजकल परेशान है। बताया जा रहा है कि वह भारत के रवैये से डरा हुआ है। दुश्मन का डरा होना और परेशान रहना ज्यादा बेहतर है। इससे वह अपनी समस्या सुलझाने में लगेगा। अपने दुश्मन देशों को तंग नहीं करेगा। उन पर दबावङ्कधौंस नहीं दिखाएगा। कभी चीन का व्यवहार हमें परेशानी कर रहा है। वह सीमापर घुसपैठ करता। क्षेत्र के अंदर आए भारत के भाग में जमता और सौदेबाजी करता। किंतु अब ये बदलता भारत है। बकौल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब भारत दुश्मन को उसके घर में घुसकर मार रहा है। परिणाम है कि आज चीन की आंखों में आंखे डालकर बात की जा रही है। सूचनाएं हैं कि चीन भारत की ब्रह्मोस से डरा हुआ है जब से भारत का शक्तिशाली ब्रह्मोस मिसाइल चीन के करीब तैनात की हैं और चीन के दुश्मन फिलीपींस को दी हैं, तबसे चीन दहशत में हैं। चीन ब्रह्मोस का काट नहीं निकाल पा रहा है। वह जानता है कि उसके सारे हथियार भी एक बार फायर की गई ब्रहमोस को नहीं रोक सकते।

ब्रह्मोस की काट निकालने के लिए चीन फिलीपींस को डराने के की कोशिश में जुटा है। चीन ने फिलीपींस के बेहद करीब अपने ड्रोन को भेजा है ताकि फिलीपींस डर जाए। लेकिन चीन का ये कदम बताता है कि असली डर फिलीपींस को नहीं बल्कि चीन को है क्योंकि अब साउथ चाइना सी के बिल्कुल करीब अमेरिकी सेनाएं भी आ गई हैं। भारत पहले ही चीन के शत्रु देश वियतनाम की पीपुल्स नेवी को अपना आधुनिक युद्धपोत आईएनएस कृपाण का हस्तांतरण कर चुका है। इस युद्ध पोत पर आधुनिक मिसाइल तैनात हैं। दरअसल अब तक चीन भारत को घेरने में लगा था। वह भारत के दुश्मन देशों को आधुनिक अस्त्रङ्कशस्त्र की आपूर्ति करने में लगा था। अब ऐसा उसके साथ हो रहा है तो वह परेशान है। चीन भारत में अशांति फैलाने वाले नक्सलाइड, मिजों एव अन्य आंतकियों को आधुनिक शस्त्रों की आपूर्ति करता रहा है। सूचनाएं रही हैं कि उन्हे प्रशिक्षण भी दे रहा है। ऐसे में समय की मांग है कि भारत अब चीन के विरूद्ध चल रहे तिब्बत के पूर्ण स्वतंत्रता के आंदोलन का खुलकर समर्थन करें। जरूरत पड़ने पर तिब्बती के आजादी के आंदोलन के लड़ाकों को शस्त्र के साथ प्रशिक्षण भी दे। भारत की नहीं चीन के रवैये से दुनिया के लगभग सभी देश परेशान हैं।इसी कारण फिलीपींस और अमेरिकी सेना का साझा युद्धाभ्यास हाल में शुरू हुआ। इस मिलिट्री ड्रील में जापान की सेनाएं भी शामिल हो रही हैं। 16000 हजार सैनिक साझा युद्धभ्यास में शामिल हैं। सबसे बड़ी बात कि फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया के सैनिक भी कुछ दिन में इस ज्वाइंट एक्सरसाइज से रहेंगे। मतलब पांच देश चीन को घेरने के लिए एक साथ होंगे। इस ड्रील में समुद्री और हवाई हमलों का अभ्यास किया जाएगा। भारत के ब्रह्मोस देने के बाद से चीन परेशान है। अभी तो ब्रह्मोस तैनात भी नही हुई होंगी कि चीन परेशान है। वह फिलीपींस पर द्रोण उड़ाकर उसे धमका रहा है। सवाल है कि क्या ड्रोन के जरिए चीन ब्रह्मोस के बारे में जानकारी जुटाना चाहता है। सवाल तो ये भी है कि क्या चीन उस ठिकाने का पता लगाना चाहता है, जहां फिलीपींस ब्रह्मोस को तैनात करेगी। चीन ने ड्रोन के अलावा समंदर में मिलिट्री ड्रील के जरिए भी फिलीपींस को आंख दिखाने की कोशिश की है। चीन की नौसेना ने साउथ चाइना सी में लड़ाकू विमानों और युद्धपोत से मिसाइलें दागकर फिलीपींस को डराने की कोशिश की।दो दिन के अंदर चीन के ये ये कदम बताते हैं कि चीन ब्रह्मोस मिसाइल की तैनाती से भयभीत है। चीन के टेंशन इस बात की है कि अब भारत चीन सीमा के साथ चीन-फिलीपींस सीमा पर भी ब्रह्मोस तैनात होगा। अब तो चीन के एक और दुश्मन और पड़ोसी वियतनाम ने भी ब्रह्मोस में दिलचस्पी दिखाई है,

जो चीन के लिए खतरे की घंटी है। फिलीपींस में भारत की ब्रह्मोस मिसाइल पहुंच गई है और वहां की सैना उसकी तैनाती करेगी। फिलीपींस में अमेरिका ने अपनी नई टायफून मिसाइल प्रणाली तैनात कर रखी है। फिलीपींस में अमेरिका को चार बेस का एक्सेस मिला हुआ है। चीन के करीब जापान पर भी अमेरिका का बेस है। ऑस्ट्रेलिया-सिंगापुर में अमेरिका ने अपना बेस बना रखा है। थाईलैंड और साउथ कोरिया में अमेरिकी सेनाएं तैनात हैं। चीन के करीब गुआम में भी अमेरिका का बेस है। इन जगहों से वक्त पड़ने पर कभी भी अमेरिका चीन पर हमला कर सकता है। चाइना सी के बिल्कुल करीब अमेरिकी सेनाएं भी आ गई हैं। चीनी सेना के प्रवक्ता ने फिलीपीन्स को ब्रह्मोस देने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग में इस बात का ख्याल रखा जाए कि इससे किसी तीसरे पक्ष के हितों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने कहा कि ‘चीन हमेशा मानता है कि दो देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग से किसी तीसरे पक्ष के हितों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को खतरा नहीं होना चाहिए। कर्नल वू कियान ने कहा कि एशिया-प्रशांत में अमेरिका की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों की तैनाती का हम कड़ा विरोध करते हैं। अमेरिका का यह कदम क्षेत्रीय देशों की सुरक्षा को गंभीर रूप से खतरे में डालते हुए क्षेत्रीय शांति को खतरा पैदा करता है।आज चीन को याद आ रहा है कि दो देशों के रक्षा सहयोग से तीसरे को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए, किंतु जब वह खुद ऐसा करता है, तब उसे कुछ याद नहीं आता। लंबे समय से वह पाकिस्तान को आधुनिकतम युद्धक शस्त्र देने में लगा हुआ है। वह नहीं जानता कि पाकिस्तान इन शस्त्रों का प्रयोग किस देश के विरूद्ध करेगा। वह अच्छी तरह से जानता और समझता है। किंतु अपने हित में उसे कुछ याद नहीं आता। अब उसके दुश्मन देश भारत, अमेरिका और फ्रांस आदि ऐसा ही कर रहे हैं तो उसे याद आ रहा है तीसरे राष्ट को नुकसान न पहुंचे। भारत फिलीपीन्स को ही ब्रह्मोस मिसाइल नहीं दे रहा। वियतनाम भी इस मिसाइल को खरीदने में रूचि दिखा रहा है। यह तो है कि वियतनाम भी खरीदता है तो भारत उसे ब्रह्मोस देगा। प्रथम वरीयता पर देगा। भारत अपना आधुनिकतम युद्धपोत खुखरी वियतनाम को पहले ही उपहार में दे चुका है। ये आधुनिक युद्धास्त्रों से सज्जित युद्धपोत है। भारत की ये कार्रवाई दक्षिण चीन सागर में चीन के बढ़ते आक्रामक रवैये को लेकर चिंताओं के बीच यह भारत और वियतनाम में बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है। अधिकारियों ने कहा भी कि भारत ने पहली बार किसी मित्रवत देश को कोई सेवारत पोत उपहार में दिया है। भारतीय नौसेना ने कहा कि पोत पूरी ‘‘हथियार प्रणाली’’ के साथ वियतनाम पीपुल्स नेवी (वीपीएन) को सौंपा गया है। आईएनएस कृपाण, 1991 में सेवा में शामिल किए के बाद से भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े का एक अभिन्न अंग रहा और पिछले 32 वर्षों में कई ऑपरेशन में भाग लिया। लगभग 12 अधिकारियों और 100 नाविकों द्वारा संचालित, जहाज 90 मीटर लंबा और 10.45 मीटर चौड़ा है।

भारत जैसे का तैसा की नीति पर चल चुका है। अब वह कमजोर भी नही है। दुश्मन से आंख में आंख डालकर बात कर रहा है। ऐसे में अब चीन में घाव पर पूरी ताकत से हथौड़ा मारने का समय आ गया। चीन की बड़ी कमजारी है तिब्बत। तिब्बत पर उसने कब्जा किया हुआ है। तिब्बत की अस्थाई सरकार के धर्मशाला नगर में चल रही है। भारत के रूख के कारण तिब्बती अभी तक शांतिपूवर्क आदोलन कर रहे हैं। भारत ने तिब्बत की आजादी की लड़ाई का कभी समर्थन नहीं किया। अब समय आ गया है कि भारत इस आंदोलन का समर्थन करें। तिब्बत सरकार को मान्यता दें। तिब्बती आंदोलनकारी को शस्त्र और युद्ध प्रशिक्षण दे। जब तक दुश्मन को उसके घर में ही नही घेरा जाएगा, तक तक वह नही मानने वाला। घर में घिर कर वह अपने में उलझ जाएगा और दूसरों को तंग करना बंद कर देगा। चीन सरकार वहां बसे उइगुर मुसलमानों पर बेइतहां जुल्म करने में लगी है। मुस्लिम देश चुप हैं। भारत अपने परिचित मुस्लिम देश और संगठनों से उइगुर मुसलमान की आजादी और कल्याण के लिए आवाज बुलंद कराएं।

-अशोक मधुप-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पारदर्शी निगरानी व्यवस्था के दायरे में आए

यूं तो सोशल मीडिया पर सचेत करते हुए कई वीडियो और दावे सामने आते रहते हैं, लेकिन कितने सच होते हैं, यह सामान्यतया कोई भी नहीं कह सकता।हालांकि कभी-कभी कोई ऐसा वीडियो सामने आ जाता है जो विचलित कर देता है और अक्सर लोग सच्चाई जाने बिना ही भरोसा कर बैठते हैं। ऐसा ही एक वीडियो बीते दिनों बहुत तेजी से वायरल हुआ जिसमें हरी टी शर्ट पहना एक छोटा बच्चा जो कि किसी मेले में दिख रहा है। एक दूकानदार से गिलास में कुछ लेता है जिसमें बहुत तेज सफेद और गाढ़ा धुआं निकलता है। बच्चा उसे पीता है और तुरंत पेट पकड़कर चीखने-चिल्लाने लगता है। बच्चे को तुरंत चिकित्सकीय मदद पहुंचाई गई। बहरहाल, वीडियो की सत्यता=असत्यता से परे हटकर सोचें तो अगर वाकई में ऐसा है तो हम सभी को गंभीरता से इस बारे में सोचने की जरूरत है।वीडियो में दिख भी रहा है कि उस पर स्मोक बिस्किट लिखा है। आजकल ऐसे पदार्थ खाने को सजावटी आकार देने के साथ बच्चों में आकर्षण बढ़ाने के लिए बनाना आम हो गया है, जिनमें ड्राई आइस या लिक्विड नाइट्रोजन का अनुपातहीन उपयोग आम सा हो गया है। भारत में इसका तेजी से पार्टियों या पिकनिक, मेलों में चलन बढ़ रहा है। वास्तविकता यह है कि बच्चा दावणगेरे में परिजनों के साथ एक प्रदर्शनी में गया था और उसने वहां पर एक स्टॉल से स्मोक बिस्किट लिया और उपयोग करते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। सुकून की बात है कि वीडियो के जरिए फैलाई जा रही मौत की बातें अफवाह निकली, लेकिन इस वीडियो ने कई सवाल जरूर पैदा कर दिए।क्या आम दावतों, पार्टियों, चौपाटियों या चाट, पकौड़े, आईसक्रीम या ठण्डाई के नाम पर बिना किसी स्वीकृति के कुछ भी उपयोग की इजाजत है? और क्या भारत में कहीं भी कोई अपनी मनमर्जी से स्वाद या आकषर्ण बढ़ाने के लिए किसी भी प्रतिबंधित, घातक या अनुपातहीनमात्रा में मसाले, रसायन खाने में उपयोग कर सकते हैं? इस पर लोग कितना जागरूक हैं? स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह ऐसी चीजों के इस्तेमाल का क्या कोई तय पैमाना है और है तो इसका कैसे हो? सबको पता है कि पूरे देश में चाहे गांव, कस्बा, महानगर हर कहीं बाजार में तैयार खाने का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। देश में रेस्टॉरेन्ट, होटल और ढाबों में लोगों के शौकिया आना-जाना भी खूब बढ़ा है।आउटिंग या बाहर खाने के चलन ने ऑनलाइन फुड को एक नई इंडस्ट्री की शक्ल दे दी, लेकिन सवाल यही कि आखिर बाजार में बिकने वाला रेडीमेड खाना स्वास्थ्य के लिहाज कितना मुफीद है? क्या इस तरह के खाना बनाने वाले ठिकानों और सप्लाई के लिए पहुंचाने के दौरान बनाने और खाने वालों के बीच खाने की गुणवत्ता में बदलाव या स्तरहीनता को परखने का कोई तंत्र है? शायद नहीं और हो भी तो लोगों ने कभी बीच सड़क खाने की जांच होते या सैम्पलिंग देखी नहीं। ऐसे सवाल उठने वाजिब हैं। सड़कों के किनारे ढाबे हों या बीच शहर के होटल या स्ट्रीट फूड की जगहें। कभी यहां नियमित जांच होती हैं या हुई लोगों को ध्यान नहीं आता। निश्चित रूप से ऐसी निगरानी उस क्षेत्र के जिला प्रशासन के अधीन होती हैं, लेकिन सवाल वही कि इस पर अमल कैसा होता है? जिस तेजी से बाहर खाने का चलन बढ़ रहा है और तैयार खाने का ऑनलाइन कारोबार बढ़ रहा है जो उद्योग की शक्ल अख्तियार कर रहा है।तमाम तरह के टैक्स के दायरे में भी आता है परन्तु गुणवत्ता को लेकर किस तरह के निर्देश हैं या अमल करना है इस पर आम लोगों को कुछ पता नहीं होता। समय के साथ अब इस बात पर भी सख्त कानून बने और पालन में भी कठोरता की जाए ताकि रेडीमेड फूड उद्योग भी एक पारदर्शी निगरानी व्यवस्था के दायरे में आए। बना बनाया या बनाकर खाने के बेचने या पैक कर घर-घर पहुंचाने का रिटेल या थोक कारोबार हो या स्ट्रीट वेन्डर से लेकर पांच सितारा होटलें इनकी गुणवत्ता की जांच के लिए हर कहीं सूचना पटल हों। महानगरों, शहरों और दूकानों में बड़े-बड़े होर्डिंग, बैनर या पोस्टर अनिवार्य हों, जिनसे लोगों की इस बारे में जागरूकता बढ़े। हर दुकानदार, खाने की सामग्री बेचने वाले ठिकानों पर उस क्षेत्र के स्थानीय नियंत्रणकर्ता एजेंसी की जानकारी तथा संपर्क सूची भी लगाई जाए जहां पर गुणवत्ता में दोष की शिकायत की जा सके। इतना ही नहीं विशेष परिस्थितियों में खाने के सैंपल को जांचने के लिए स्थानीय सरकारी विभाग भी तत्पर रहे। अब तक ऐसे गंभीर मामले या तो पुलिस के पास पहुंचते हैं या फिर हीला-हवाली में ही अपराध के बावजूद अनदेखे रह जाते हैं। खाने में कीड़े, कॉकरोच मिलने या खाकर बीमार पडने् की शिकायतें तो सामने आती हैं, लेकिन कभी कोई कार्रवाई हुई हो ज्यादातर पता नहीं चल पाता। जिस तेजी से बने बनाए खाने के चलन के साथ बाहर खाने का रिवाज बढ़ रहा है उससे इस कारोबार पर भी बहुत कड़ी निगाह रखे जाने की जाने की जरूरत है। इसके लिए ऐसे कानून की जरूरत है जो देशव्यापी हो और सबको पता हो ताकि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ के मामले बढने् से पहले ही नियंतण्रमें रहें और जनस्वास्थ्य को बड़ी चुनौती का बेखौफ रिवाज जैसा चलन भी न पनप पाए।

-ऋतुपर्ण दवे-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

गीत

प्रीति चौधरी मनोरमा
जनपद बुलंदशहर
उत्तरप्रदेश

मेरी माँ के पल्लू से ही,
मिलती है मुझको छाया।
वही विटप हैं अनुपम भू पर,
मोहक जिसका सरमाया।।
जब भी ग्रीष्म जलाती ये तन,
घनी छाँव बन जाती है ।
सो जाती हूँ नींद चैन की,
लोरी मात सुनाती है।।
उसने ही ममता का घन नित,
मेरे ऊपर बरसाया।
मेरी माँ के पल्लू से ही,
मिलती है मुझको छाया।।
उसकी एक फूँक से सब ही
दर्द दूर से हो जाते ।
जब पीर बढ़े अंतर्मन की,
सिर रख गोदी सो जाते।।
देकर आशीषों की दौलत,
माँ ने पथ सुगम बनाया।
मेरी माँ के पल्लू से ही,
मिलती है मुझको छाया।।
हम भाई-बहिन की खुशियों पर,
वो बलिहारी जाती है।
वह वात्सल्य की देवी सी,
देख हमें हर्षाती है।।
वो कभी सखी बनकर खेले,
कभी बनी अपनी आया।
मेरी माँ के पल्लू से ही,
मिलती है मुझको छाया।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

माँ

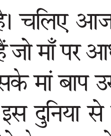

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर
बिहार

इस दुनिया में सबसे प्यारी और सबसे न्यारी अगर कोई महिला है तो सिर्फ वह मां है। ऐसे तो लड़कियाँ हर रूप में होती हैं चाहे वो बहन, मां, सास या फिर बहू बने लेकिन माँ की तो बात ही अलग है। चलिए आज की सच्ची घटना को जानते हैं जो माँ पर आधारित है। एक ऐसी लड़की जिसके मां बाप उसे बड़े ही कम उम्र में छोड़कर इस दुनिया से चले जाते हैं। माँ-बाप नहीं होने के कारण वो अपने नाना-नानी के पास रहा करती थी। उसके एक मामा भी थे, जो विवाहित थे और उनकी पत्नी यानि लड़की की जो मामी थी। वह इस लड़की को नौकरानी की तरह रखा करती थी। उससे बर्तन धुलवाना, घर के काम करवाना और तो और उसको आज तक कभी भी वो नए कपड़े नहीं दिया करती थी। वह हमेशा अपने पुराने कपड़े,दे दिया करती थी और खुद के लिए नए कपड़े खरीद लिया करती हैं। नानी सब कुछ देखी थी लेकिन वह कुछ कह नहीं पा रही थी क्योंकि खुद के शरीर से लाचार थी और उसके नाना और मामा प्रतिदिन कार्य करने के लिए बाहर आया जाया करते थे इसलिए घर की इन सब बातों के बारे में पता नहीं था। एक दिन उसकी मम्मी ने अपने मामा को कहा कि अरे इसकी उम्र बहुत हो रही है आप इसकी शादी करवा दीजिए तो सभी ने विचार करके उसे लड़की का शादी भी करवा दिया। किस्मत से लड़की का जिससे शादी हुआ वह लड़का बहुत ही अच्छा था। लेकिन उसके घर के जो ससुर, देवरा थे उनके सोच बहुत ही गंदी थी बहुत ही अलग सोच के थे। बहुत ही अच्छे से इस लड़की की जिंदगी चल रही थी। एक दिन खुशखबरी आई कि वह जो लड़की है मां बनने वाली है और पापा बनने की खुशी में वह लड़का ऑफिस से घर की तरफ आ ही रहा था कि अचानक किसी गाड़ी वाले ने उसकी गाड़ी को ठोक दिया और उसकी सड़क दुर्घटना में वहीं पर मौत हो गई। एक तरफ जहां लड़की की कोख में एक बच्चा आने वाला था वहीं दूसरी तरफ उसने अपने पति को खो दिया वह भी बहुत ही कम उम्र में। ससुराल वाले उस लड़की को अपशगुन कहने लगे, बहुत ही गंदी-गंदी बातें कहने लगे की जो लड़की अपनी मां बाप को खा गई। वह अपने पति को कैसे छोड़ सकती थी। उसने पति को भी आखिर खा ही लिया। यह बात बोल बोल के उसके ससुराल वाले उसे घर से निकालने लगे। उसके ससुर ने रोक लिया उसे अपने घर में रहने की इजाजत दी। एक दिन उसकी सासु माँ कुछ काम से बाहर गई थी। उसका देवर भी नहीं था। सिर्फ वह लड़की और उसके ससुर घर में थे। ससुर को पता था कि वह जो लड़की है वो मां बनने वाली है फिर भी वो उस लड़की के पास गया और उसके साथ गलत व्यवहार करने लगा। लड़की अपने आप को बचाने के लिए अपने ससुर पर डंडा चला देती है जिसके कारण उन्हें माथे पर चोट लग जाती है और वह बेहोश हो जाते हैं। बहु कॉल करके कहती है उसके उसकी सासू मां और उसका देवर आ जाता है और साथ में डॉक्टर को लेकर आते है और इलाज कराई जाती है सर पर चोट लगने के कारण वह बेहोश हो गए थे। थोड़ी देर के बाद वह होश में आ जाते हैं। ससुर को लगता है की बहू ने सारी बातें बता दी होगी इसलिए ससुर होश में आते ही कहता है अपनी पत्नी से की बहू मेरे साथ गलत व्यवहार करने के लिए आई थी बोल रही थी और जब मैं बोला कि मैं तुम्हारे साथ कुछ भी गलत नहीं कर सकता हूँ तब गुस्से में आकर मुझ पर मार दी और मै बहोश हो गया। बहु बोलती है - नही सासु माँ, ससुर जी खुद आए थे और आपके सामने उनकी बेइज्जती ना हो इसलिए मैने नही बताया था। सास बोलती है - मै जानती थी तु है ही अपशगुन। मेरे पति को मारना चाहती है बोलकर उस लड़की को घर से बाहर निकाल दी जो माँ बनने वाली थी।...

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

वोट देना जरुरी है...

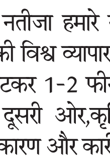

संजय गोस्वामी
मुंबई,
महाराष्ट्र

आजादी मिलने के 76 साल बाद तक हमारे बारे में हम पर थोपी गई हमारी गलत धारणाओं के कारण कि हम एक कृषि-प्रधान समाज हैं)हमारी नीतियां, हमारे सारे प्रोत्साहन कृषि क्षेत्र को दिए गए और उसका नतीजा हमारे सामने है। आज एक ओर, भारत की विश्व व्यापार में भागीदारी 20-25 फीसदी से घटकर 1-2 फीसदी के आसपास आ गई है और दूसरी ओर,कृषि क्षेत्र में मिले ढेरों प्रोत्साहन के कारण और कारीगरी से बदखल लोगों को और कोई विकल्प न सुझाए जाने के कारण, कृषि कार्य में उसकी क्षमता से ज्यादा लोग लगे हुए हैं। जिसके कारण यह क्रमशः व्यापारिक घाटे की आजीविका रह गई है। वर्तमान में भी परिस्थिति बहुत ज्यादा बदली नहीं हैं। कारीगरी क्षेत्र (बहुत सारी नई कारीगरी विधाओं के साथ अभी भी देश में कृषि के बाद सबसे बड़ा रोजगार प्रदायक क्षेत्र है। विभिन्न अध्ययनों के माध्यम से देश में कारीगरी पर आधारित जनसंख्या 25 से 30 करोड़ आंकी गई है। परंतु जिस तरह का आर्थिक व्यवस्था तंत्र कृषि क्षेत्र के लिए प्रदान किया जाता रहा है- विशालकाय ऋण माफी कार्यक्रम, ऋण प्रदायक तंत्र (किसान क्रेडिट कार्ड, फसल ऋण, कृषि सहकारी समितियाँ, कॉपरेटिव बैंक, व्यवसायिक और निजी बैंक, खाद एवं बीज आदि में मिलने वाली विशालकाय छूट, विभिन्न तरह की तकनीकी सहायता तंत्र) स्वतंत्र मंत्रालय, विभिन्न विभाग, कृषि विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, सरकारी एवं गैर-सरकारी रिसर्च संस्थाएँ, देश भर में फैला कृषि विज्ञान केन्द्रों का जाल, इत्यादि। भंडारण एवं विपणन तंत्र (समर्थन मूल्य, विपणन संघ, बोर्ड, निगम, निगम और इन सबके द्वारा संचालित ढेर सारे छूट कार्यक्रम, इत्यादि) फसल बीमा एवं इसके अलावा अनेकों व्यवस्था जनित तंत्र, बजटीय प्रावधान, इत्यादि के मुकाबले संपूर्ण कारीगरी क्षेत्र एकदम अछूता सा रह गया है। कृषि क्षेत्र के मुकाबले लगभग आधी जनसंख्या के 'कारीगरी' क्षेत्र में आश्रित रहने के बावजूद कृषि क्षेत्र में किए जा रहे सरकारी खर्च और प्रयासों की तुलना में एकदम नगण्य सा हिस्सा ही कारीगरी क्षेत्र में किया जा रहा है। जिस तरह का प्रोत्साहन एवं सहयोग-तंत्र कृषि क्षेत्र के लिए कार्य कर रहा है लगभग उतना ही, बल्कि उससे भी विशाल प्रोत्साहन एवं विस्तृत सहयोग-तंत्र देश में बड़े उद्योगों एवं समाज में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। कृषि क्षेत्र में स्थापित एक स्वतंत्र कृषि मंत्रालय की 32 ही तरह उद्योग क्षेत्र में समन्वय के लिए भी एक स्वतंत्र उद्योग मंत्रालय सरकार के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में कार्य कर रहा है। इस पूरे व्यवस्था-तंत्र के माध्यम से समाज में बड़े उद्योगों को स्थापित करने, उनके व्यवस्थित संचालन एवं समाज में औद्योगीकरण को लगातार बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कार्य होता रहा है। परंतु इस व्यवस्था में भी कारीगर, कारीगरी क्षेत्र और उससे संबंधित संपूर्ण कार्य हमारे मूलभूत उद्योग होने के बावजूद भी कहीं छूट गए है। कृषि और बड़े उद्योग, दोनों की तुलना में लगभग नहीं के बराबर का ध्यान, ऊर्जा, समय, खर्च और प्रयास कारीगरी के क्षेत्र की ओर किया जा रहा है। कृषि क्षेत्र में वर्तमान तरह की निर्भरता बढ़ने से पहले समाज के कारीगरी क्षेत्र में तरह-तरह का सामर्थ्य जहां-तहां सहज ही भरा पड़ा था। हम उद्योग-प्रधान देश होने के नाते न केवल कारीगरी एवं औद्योगिक कौशल के मामले में अग्रणी थे, बल्कि उससे भी बढ़िया हमारा व्यापारिक कौशल एवं कमाए हुए धन के बंटवारे की व्यवस्थाएँ थीं। वोट देना आज जरुरी क्यों हो गया है क्योंकि ठीक इसी समय पड़ोसी देशों द्वारा भारत विरोधी एजेंडे के कई बयान सामने आ रहे हैं जो हमारी अखंडता के लिए बहुत खतरनाक है जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनामी और लोकतंत्र पर सवाल खड़े हो रहें हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

धरा

लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद छत्तीसगढ़

सबसे उत्तम बिछौना,
धरती माँ की गोद।
मिले नहीं कही सुकून,
मिलती यहीं प्रमोद।।
यह सीना चिर उगाती,
कई प्रकार की अन्न।
करती तृष्णा को शांत,
भर्ती सबकी यह मन।।
नदी झरंना समंदर,
सबको यह समेटे।
जंगल खेत खलिहान,
हमको यह लपेटे।।
पढ़ाती परोपकार की,
मनुज को उम्दा पाठ।
इससे बड़ा ना कोई,
सुन्दर वस्तु का हाट।।
दिन रात पखारती पग,
गंगा सम कई नद।
आदि अंत रहती पतित,
रहते सब मर्याद।।
हरितिमा जिनकी श्रृंगार,करते
जिन पर नाज।
ऋतु अनुरुप होती वस्त्र,अनुपम
लगता साज।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

यह मंजर कैसा आया है

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण छत्तीसगढ़

मौसम है गर्मी का लू-तपन, ने
कहर ढाया है
जीव-जगत त्रस्त है,यह मंजर कैसा
आया है।
पेड़-पौधे झूलस रहें है,वन-उपवन
थर्राया है
फुल-कली सब सूख गये, हाहाकार
छाया है।
रौद् रूप भीषण गर्मी, लेकर सुरज
आया है
लाल अगन बरस रहा, सबमे डर
समाया है।
चौंक-चौराहे और सड़कों में,
सन्नाटा छाया है
घर मे सब दुबक गये,कोई नजर
नही आया है।
यहाँ-वहाँ हर कोई छाया को आसरा
बनाया है
छाया भी नदारद हुई, इसमें भी
डर समाया है।
सुकून भरी छाया हेतु हर कोई
आँखे गड़ाया है
एक पेड़ कौन लगाए क्या कोई
जतन उठाया है?

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

भगवान परशुराम जयंती पर नगर में निकली भव्य शोभायात्रा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम की जयंती शुक्रवार को धूमधाम से मनाई गई। जयंती के अवसर पर मंदिर केनाबांध में भगवान परशुराम की पंचामृत से अभिषेक कर पूजा, अर्चना, आरती किया गया। साथ ही 24 घंटे का अखंड रामायण का पाठ किया गया। वहीं शुक्रवार को समाज द्वारा नगर में भव्य शोभायात्रा बाजे-गाजे के साथ निकली गई। परशुराम जयंती पर नगर के गांधी चौक स्थित दुर्गा मंदिर से भव्य शोभायात्रा शाम को निकाली गई। शोभायात्रा में भगवान परशुराम की जीवंत झांकी के पीछे एक ही परिधान में काफी संख्या में समाज की महिलाएं चल रहीं थीं। शोभायात्रा गांधी चौक स्थित दुर्गा मंदिर से निकल कर घड़ी चौक, देवीगंज रोड, संगम चौक,महामाया चौक

होते हुए स्कूल रोड से लरंगसाय चौक होते हुए देर शाम केनाबांध स्थित परशुराम मंदिर प्रांगण पहुंची। यहां भगवान परशुराम की पूजा अर्चना व महा आरती के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। इस दौरान जगह-जगह विभिन्न समाज व संगठन के लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा में मुख्य रूप से समाज के अध्यक्ष कौशलेंद्र पांडेय, सचिव विकास पाण्डेय, आलोक दुबे, द्वितेंद्र मिश्रा, श्री निवास अयंगर,चंद्रसेन तिवारी, दीपक मिश्रा,विनोद तिवारी, पुरुषोत्तम मिश्रा, सुनील तिवारी, अनिल तिवारी,अनिल दुबे, विश्वास तिवारी, प्रमोद दुबे, अशोक पांडेय, सूर्यनाथ तिवारी, वसुधा तिवारी, स्मिता तिवारी, अनुभा डबराल, आदित्य पांडेय, प्रियम पांडेय, ऋषभ पांडेय, रवि पांडेय, हर्ष पांडेय सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित थे।

सड़क पर भारी वाहन खड़ा करने पर दो चालकों पर अपराध दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)।

लोकमार्ग पर खड़े भारी वाहन चालकों पर सरगुजा पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। गुरुवार को कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 13 प्रकरणों में आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई है। वहीं दो चालकों के खिलाफ एफाईअर दर्ज की गई है।

वाहन चालकों द्वारा लापरवाही पूर्वक खतरनाक ढंग से लोकमार्ग मे भारी वाहन खड़ी कर लोकमार्ग बाधित करने पर थाना मणीपुर अंतर्गत संत गहिरा गुरु आश्रम के सामने रिंग रोड मणीपुर मे आरोपी कासम उम्र 57 वर्ष साकिन बेढ़ा थाना बड़ोदा मेओ जिला अलवर राजस्थान द्वारा भारी वाहन ट्रक क्रमांक आरजे 2 जीबी 9087 खड़ी करने पर आरोपी के विरुद्ध धारा 283 भा.द.वि.का अपराध दर्ज किया गया हैं, थाना मणीपुर के दूसरे प्रकरण मे भाथूपारा रिंग रोड मणिपुर के पास आरोपी बसंत कुमार रजक उम्र 30 वर्ष साकिन मकरी थाना भवनाथपुर जिला गढ़वा झारखण्ड द्वारा भारी वाहन ट्रक क्रमांक सीजी 10 बीएस 4111 खड़ी करने पर आरोपी के विरुद्ध धारा 283 का अपराध दर्ज किया गया हैं, दोनों मामलो मे पुलिस टीम द्वारा लोकमार्ग मे खड़ी भारी वाहनों कों जप्त किया गया हैं, मामले के आरोपियों से घटना क़े सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर अपराध घटित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर मामले मे अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं। कार्रवाई में थाना मणीपुर से सहायक उप निरीक्षक लल्लन गुप्ता, बबलू कुजूर, प्रधान आरक्षक महेश्वर शरण सिंह, आरक्षक अतुल शर्मा शामिल रहे।

टीबी की बिमारी हर उम्र के लोगों में,व्ययस्कों को होगा बीसीजी वैक्सीनेशन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सभाकक्ष में शुक्रवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। व्ययस्कों में बीसीजी वैक्सीनेशन कराये जाने को लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों व कर्मचारियों को जानकारी दी गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएन गुप्ता ने स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारियों को बताया कि बीसीजी वैक्सीनेशन मैजूदा समय में अभी तक टीबी की रोकथाम हेतु 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को बीसीजी वैक्सीन के एक डोज दी जाती है, परन्तु अब 16 देशों में हुये अध्यन के बाद भारत में सेन्ट्रल टीबी डिवीजन द्वारा देश को टीबी मुक्त बनाने हेतु वर्ष 2025 तक लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लिए टीबी बिमारी की रोकथाम एवं उन्मूलन के लिए निर्णायक वार के रूप में व्ययस्कों में बीसीजी का टीका दिए जाने हेतु

निर्णय लिया गया है। व्ययस्कों एवं बुजुर्गो मे टीबी की रोकथाम में ज्यादा कारगर साबित नहीं हुई है, इस वजह से टीबी की रोकथाम चुनौती बनी हुई है। टीबी की बिमारी हर उम्र के लोगों में देखी जा रही है। बुजूर्ग व धुम्रपान करने वाले लोग टीवी से अधिक पिड़ित होते है। जिला क्षय अधिकारी डॉ. शेलेंद्र गुप्ता ने प्रशिक्षर्णीयों को बताया कि वर्तमान में बीसीजी का टीकाकरण के पूर्व पात्र व्यक्यिों से सहमति ली जायेगी और उन परिवारों को चिन्हांकित किया जाएगा जिनके परिवार में कभी टीवी मरीज रहे है। बीसीजी का टीका 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोग जिन लोगों को पिछले 5 वर्ष में एक बार भी टीबी बिमारी हुई हो। 60 वर्ष और उससे अधिक के बुजूर्ग,धुम्रपान करने वाले, पिछले 3 साल से टीबी रोगियों के सम्पर्क में आने वाले लोग, मधुमेह से पिड़ित व्यक्ति, कुपोषित व्यक्ति ही टीकाकरण हेतु पात्र होंगे। सभी वर्गो में टीकाकरण स्वेच्छा से होगा, एक्टिव टीबी के केस टीकाकरण हेतु पात्र नहीं होंगे। जिला क्षय अधिकारी डॉ. शेलेंद्र गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में 222 ग्राम पंचायत (अम्बिकापुर-57. लुण्ड्रा-36, बतौली-26, सीतापुर-17, मैनपाट-15, लखनपुर-45, उदयपुर-26) टीबी मुक्त किए गए हैं। जिसमे विगत वर्ष प्रति एक हजार की जनसंख्या मे एक या एक से कम टीबी मरीज पाए गए हैं। वर्तमान में सरगुजा में टीबी के मरीज मिल रहे है यह बिमारी फेफड़ा, मस्तिष्क, किडनी, रिड की हड्डी को प्रभावित करता है, तथा खांसने, छिकने से फैलने वाली बिमारी है। जिले में वर्ष 2019 में 1268, वर्ष 2020 में 673, वर्ष 2021 में 653, वर्ष 2022 में 1090, वर्ष 2023 मे 1318 टीबी मरीजों को चिन्हांकित किया गया है।

9 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)।

9 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली कोर्ट के पीछे एक व्यक्ति महुआ शराब बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी राजकुमार यादव (36) निवासी ग्राम कोलीजोर अजबनगर थाना जयनगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 9 लीटर शराब जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने लोगों को करें जागरुक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक यातायात छत्तीसगढ़ नेहा चंपावत द्वारा शुक्रवार को वर्चुअल बैठक ली गई। बैठक में सरगुजा पुलिस के यातायात नोडल अधिकारी एवं यातायात प्रभारी हुए। बैठक में हिट एण्ड रन के मामलों में उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन कराने के साथ-साथ राहत राशि के प्रावधानों की जानकारी दी गई।

पुलिस महानिरीक्षक यातायात ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन करना है। जिसके अनुसार हिट एण्ड रन (अज्ञात वाहन से होने वाली दुर्घटना) के मामलों में मृतक के परिजन को 2 लाख रूपये एवं गंभीर रूप से घायल आहत को परिजन को 50 हजार रूपये राहत राशि के रूप में देने का प्रावधान है। राहत राशि हेतु सभी आवश्यक दस्तावेजों को दुर्घटना घटित होने के 30 दिवस के भीतर मोटर एक्सीडेंट ट्राईब्यूनल को भेजना अनिवार्य है। सभी थाना, चौकी प्रभारियों को ऐसे दुर्घटना के मामलों को समय-सीमा में पेश करें तथा घटना होने उपरान्त तत्काल मौके पर जाकर सभी वैधानिक कार्रवाई फोटो-वीडियों, आईरेड डाटा इंट्री के साथ करने के निर्देश दिया गया है। बैठक में सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं यातायात नियमों के प्रति वाहन चालकों को जागरूक करने हेतु बताया गया।

चोरी की बाइक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)।

चोरी की बाइक के साथ कोतवाली पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार नासिर खान शहर के बौरीपारा का रहने वाला है। वह 8 मई को अपने रिश्तेदार की बाइक को अपने घर के बाहर खड़ा किया था। तभी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई थी। वह मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी मुकेश चेरवा उर्फ छोटू (19) व डॉक्टर चौधरी उर्फ बोरी (19) निवासी रजपुरी बरपारा थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया है। दोनों ने उक्त बाइक को चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

हत्या के आरोपी को थाना प्रतापपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)।

10 मई 2024 के रात्रि में न्यू बस स्टैण्ड प्रतापपुर के एक होटल में काम करने वाले बजरंगी कुशवाहा द्वारा आपसी विवाद पर साथ में काम करने वाले रामदास पिता स्व. पांडे उम्र 60 वर्ष ग्राम टुकुडांड को डण्डा से प्राणघातक प्रहार कर चोट पहुंचाया जिसे उपचार के लिए प्रतापपुर अस्पताल लाया गया जहां उसकी मृत्यु हो गई। अमिल कुमार की रिपोर्ट पर मर्ग कायमी उपरान्त धारा 302 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने प्रकरण के आरोपी की जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। थाना प्रतापपुर पुलिस के द्वारा मामले की विवेचना करते हुए घेराबंदी कर आरोपी बजरंगी कुशवाहा पिता स्व. रामाशंकर कुशवाहा उम्र 40 वर्ष ग्राम महरादेउर, थाना-भोरेन जिला गोपालगंज बिहार, वर्तमान निवासी न्यू बस स्टैण्ड प्रतापपुर को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डण्डा जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर अरूण नेताम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे,एसआई विवेक खलखो,एएसआई हीरालाल साहू,प्रधान आरक्षक रजनीश त्रिपाठी,रामाधीन श्यामले, राहुल गुप्ता, भूपेन्द्र पोर्ते, आरक्षक अवधेश कुशवाहा, अपील चौधरी, भीमेश आर्मो, मंगलेश्वर, निशांत, अभिमन्यू पैंकरा व महेश्वर सिंह सक्रिय रहे।

जिले में प्रयास आवासीय विद्यालय का कक्षा 10 वीं का परिणाम रहा 98.31 प्रतिशत एवं कक्षा 12 वीं का 96.42 प्रतिशत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा सत्र 2023-24 हेतु घोषित परीक्षा परिणाम में जिले के शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय अम्बिकापुर, का कक्षा 10 वीं का परिणाम 98.31 प्रतिशत एवं कक्षा 12 वीं 96.42 प्रतिशत रहा।

गौरतलब है कि 09 मई 2024 को घोषित परीक्षा परिणाम में कक्षा 12 वीं में प्रयास आवासीय विद्यालय अम्बिकापुर में अध्ययनरत कुल-112 छात्र/छात्राओं में गणित संकाय के 32 एवं जीवविज्ञान संकाय के 80 छात्र-छात्राएं हैं जिनमें से 108 उत्तीर्ण घोषित किये गये। कुल 112 में से प्रथम श्रेणी में 99 व द्वितीय श्रेणी में 09 छात्र-छात्राएं रहे। संस्था के 04 छात्र-छात्राओं ने 90 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त किये।

उक्त जानकारी देते हुए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि कक्षा 10 वीं में प्रयास आवासीय विद्यालय अम्बिकापुर मे कुल 119 छात्र-छात्राओं में से 112 उत्तीर्ण घोषित किये गये। जिसमें से 31 छात्र-छात्रा 90 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त किये। उक्त परीक्षा में सफल छात्र-छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग डीपी नागेश, प्रशासकीय अधिकारी ओपी साहू एवं समस्त शिक्षकगण ने दी है।

नौकरी लगवाने के नाम पर नेटवर्क कंपनी के दो सदस्य गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)।

नौकरी लगवाने का झांसा देकर कई लोगों से ठगी करने के मामले में गांधीनगर पुलिस ने नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी के सीईओ व एमडी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। आरोपी फर्जी कंपनी संचालन के मामले में पूर्व में भी जेल जा चुके हैं। वहीं जेल से छुटने के बाद पुनः फर्जी तरीके से लोगों को झांसा देकर ठगी करते थे।

पुलिस के अनुसार बालेश्वर राजवाड़े दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पर्री का रहने वाला है। वह 19 फरवरी को गांधीनगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि शहर के नावापारा में वर्चुअल फैशन असिस्ट प्रो.ली कंपनी है। इस कंपनी द्वारा लोगों को नौकरी लगवाने के नाम पर पैसा लिया जाता है। प्रार्थी से भी 9 फरवारी 2023 को 70 हजार रुपए लिया गया था और कंपनी में ज्वाइन कराकर नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। कंपनी द्वारा प्रार्थी को कुछ कपड़ा देकर उपयोग व बिक्री करने के लिए दिया गया था। वहीं कंपनी में अन्य 4 लोगों को ज्वाइन कराने पर कमीशन देने काा झांसा दिया गया था। झांसे में आकर प्रार्थी ने 4 लोगों को कंपनी में ज्वाइन भी कराया था। कमीशन के रूप में 60 हजार रुपए देने की बात कंपनी द्वारा कही गई थी। पर चार लोगों के ज्वाइनिंग कराने के बाद कंपनी द्वारा मात्र 19 सौ रुपए ही दिया गया था। 16 फरवरी को प्रार्थी वर्चुवल फैशन असिस्ट कंपनी के ऑफिस में गया तो उसे कंपनी के एमडी व सीईओ ने कंपनी बंद होने की बात कह कर कर्मचारियों को निकालने की बात कह कर उसे भगा दिया। प्रार्थी ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी सुनिल जायसवाल (32) व विनय जायसवाल (25) निवासी केसारी थाना रघुनाथनगर जिला बलरामपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खाते को होल्ड करा दिया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 420 व 34 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

सोनवाही जंगल में स्कूटी सवार दो महिलाओं से लूट करने के मामले में फरार आरोपी को चौकी लटोरी पुलिस ने किया गिरफ्तार...पूर्व में 1 आरोपी हो चुका है गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)।

28 मार्च 24 को ग्राम गजाधरपुर निवासी कांती देवी ने चौकी लटोरी में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 28 मार्च को अपनी लड़की के साथ स्कूटी से गांधीनगर अम्बिकापुर पकड़ा दुकान गए थे जहां से खरीददारी कर वापस घर गजाधरपुर आ रहे थे दोपहर में सोनवाही जंगल के पास पहुंचे थे कि इन लोगों के पीछे से दो अज्ञात व्यक्ति मोटर सायकल में आए और बोले कि रूको,तब डरकर यह रूक गए उसी दौरान दोनों व्यक्ति बोले कि झोला चेक कराओ क्या है इसमें कहते हुए झोला छीन लिए तथा झोला में रखा 2 नग पर्स जिसमें 4200 रूपये थे उसे छीनकर मोटर सायकल से दोनों अम्बिकापुर की ओर भाग गए, लड़की अम्बिकापुर की ओर सड़क पर स्कूटी से पीछा भी की जो दोनों भाग निकले। प्रार्थियां की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध धारा 392, 34 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना के दौरान पूर्व में आरोपी शहजोर अली उम्र 32 वर्ष निवासी ईरानी मोहल्ला अम्बिकापुर को लूट की रकम में से 1 हजार रूपये व घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल सहित गिरफ्तार किया गया था। उसका साथी दीपक यादव घटना के बाद से ही फरार था।

उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर

एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने फरार आरोपी की पतासाजी कर पकड़ने के निर्देश दिया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर के मार्गदर्शन में फरार आरोपी की पतासाजी के दौरान शुक्रवार 10 मई 2024 को चौकी लटोरी पुलिस को सूचना मिली कि दीपक यादव को उसके घर के आसपास देखा गया है जिसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी लगाकर आरोपी दीपक यादव पिता मथुरा यादव उम्र 26 वर्ष निवासी गंगापुर खुर्द, थाना गांधीनगर अम्बिकापुर को पकड़ा गया। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष शिनाख्त परेड कराई गई,जहां पीड़िता द्वारा आरोपी की पहचान की गई। पूछताछ पर आरोपी ने लूट की घटना को अपने साथी शहजोर के साथ मिलकर अंजाम देना स्वीकार किया जिसे गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी लटोरी अरविन्द प्रसाद व उनकी टीम सक्रिय रही।

चीनी राजदूत बोले-बाजार की मांग पूरा करने में भारतीय कंपनियों की मदद को राजी,व्यापार घाटे पर भी बोले

नई दिल्ली,10 मई 2024। चीन के नए दूत जू फीहोंग ने कहा कि चीनी बाजार सभी देशों के लिए खुला है। व्यापार घाटे के कारण चीनी बाजार में प्रवेश करने की सुविधा भारतीय कंपनियों को दी गई है।

पूर्वी लद्दाख सैन्य गतिरोध पर द्विपक्षीय तनाव के बावजूद भारत-चीन व्यापार उच्च स्तर पर बना हुआ है। क्योंकि पिछले साल कुल व्यापार रिकॉर्ड 136.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, साथ ही भारत का व्यापार घाटा 99.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया। हालांकि यह घाटा पिछले साल की तुलना में थोड़ा कम है।

चीन के दूत ने बताया कि इस समय चीनी बाजार भारत समेत सभी देशों के लिए खुला है। बीजिंग में व्यापार घाटा बढ़ने के कारण उसने सभी देशों की कंपनियों को निवेश के लिए प्रवेश की सुविधा दी है। उन्होंने बताया कि व्यापार घाटा भारत के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय रहा है। 2023 में 136.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के समग्र द्विपक्षीय व्यापार में 99.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। वहीं वर्ष 2022 में व्यापार घाटा पहली बार 101 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया था।

बता दें कि चीन पर अनाज के अलावा आईटी और फार्मा क्षेत्रों को खोलने के लिए दबाव भारत डालता रहा है, जो कि प्रमुख निर्यात संभावित क्षेत्र हैं। जू ने बीजिंग के बताया कि व्यापार अधिशेष की तलाश करना चीन का इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के व्यापार घाटे के पीछे कई कारक हैं। चीन भारत की चिंता को समझता है, व्यापार अधिशेष की तलाश करना हमारा उद्देश्य कभी नहीं है।

चीनी बाज़ार भारत सहित सभी देशों के लिए खुला है। हमने भारतीय उत्पादों को खरीदने के लिए कई व्यापार संवर्धन प्रतिनिधिमंडलों को भारत भेजा है। उन्होंने यह भी कहा कि हम अधिक विपणन योग्य भारतीय उत्पादों को चीनी बाजार में प्रवेश करते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम चीन अंतर्राष्ट्रीय आयात एक्सपो, चीन-दक्षिण एशिया एक्सपो,कैंटन फेयर और अन्य प्लेटफार्मों पर भारत की भागीदारी के लिए अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार हैं। यही नहीं चीन भारतीय कंपनियों को चीन के बाजार मांगों को पूरा करने साथ ही साथ वाणिज्यिक और व्यापार सहयोग की संभावनाओं का दोहन करने में भी मदद करने को तैयार है।

चीन के दूत ने बताया कि पिछले साल, भारत में चीनी राजनयिक मिशनों ने लगभग 190,000 वीजा जारी किए। जिसमें से 80 प्रतिशत से अधिक बिजनेस वीजा थे। द्विपक्षीय व्यापार के लिए दोनों तरह की व्यावसायिक यात्राएं अच्छी होती हैं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने स्टेट गार्ड के प्रमुख को किया बर्खास्त

हत्या की साजिश रचने का लगा आरोप

कीव,10 मई 2024। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने स्टेट गार्ड के प्रमुख को बर्खास्त कर दिया। दरअसल, उनपर जेलेंस्की की हत्या की साजिश रचने का आरोप है। जेलेंस्की ने गुरुवार को पूर्व स्टेट गार्ड के लीडर शेरही रड को बर्खास्त किया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सुरक्षा सेवा (एसबीयू) ने बताया कि यह निर्णय तब लिया गया, जब इस सप्ताह के शुरुआत में जेलेंस्की और अन्य अधिकारियों की हत्या की साजिश का खुलासा हुआ। हालांकि,रड के उत्तराधिकारी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

हत्या की साजिश रचने के आरोप में स्टेट गार्ड के प्रमुख बर्खास्त

एसबीयू के अनुसार,स्टेट गार्ड के कर्नल के पद पर तैनात दो सदस्यों ने पहले जेलेंस्की का अपहरण करने और बाद में उनकी हत्या की साजिश रची। अन्य महत्वपूर्ण अधिकारियों में एसबीयू के प्रमुख वेसिल मेलियुक और सैन्य खुफिया एजेंसी के प्रमुख किरिलो बुदानोव को भी निशाना बनाया जाना था। मीडिया के अनुसार, दो यूक्रेनी अधिकारियों को हत्या की साजिश रचने के आरोप में पकड़ लिया गया है।

यूक्रेनी सरकार के दो कर्नलों पर वित्तीय मुआवजे के बदले यूक्रेन के खिलाफ गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप लगाया गया है। दोनों पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया। उनमें से एक के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का भी आरोप है। संदिग्धों में से एक को रूस की राज्य सुरक्षा सेवा (एफएसबी) की तरफ से दो ड्रोन और गोला-बारूद दिए गए थे, जिसे उन्हें अपने अन्य साथी को देना था।

रूस ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

एसबीयू ने आरोप लगाया कि उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और अन्य अधिकारियों की हत्या की साजिश को नाकाम कर दिया है। हालांकि, इस पर रूस ने आधिकारिक तौर पर कोई प्रतिक्रया नहीं दी है। दरअसल,एसबीयू ने आरोप लगाया कि दो अंगरक्षकों ने एफएसबी के साथ संवेदनशील जानकारी साझा की थी। हाल के दिनों में रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में जेलेंस्की प्रशासन को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। इस युद्ध के कारण प्रगति रुक गई है, जिसके कारण कई अधिकारियों को भ्रष्टाचार के मामलों का सामना करना पड़ रहा है। इस साल फरवरी में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ऑलेक्जेंडर सिर्स्की को नया सेना प्रमुख नियुक्त किया था।

जिन्टैक से कैंसर होने के 10 हजार दावों पर फाइजर समझौते को राजी

एसिडिटी-गैस के लिए इस्तेमाल हो रही थी दवा

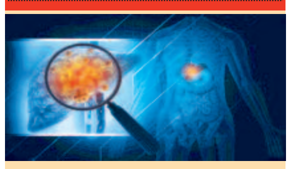

वाशिंगटन,10 मई 2024। अमेरिकी दवा निर्माता कंपनी फाइजर जिन्टैक (रेनिटिडिन) से कैंसर और अल्सर होने के 10 हजार से ज्यादा दावों पर समझौते को राजी हो गई है। हालांकि, समझौते की शर्तों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि यह समझौता पूरे अमेरिका में दायर मुकदमों को निपटाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, इसके वित्तीय विवरण कंपनी ने उपलब्ध नहीं कराए हैं। इस मामले में अमेरिका में फाइजर के अलावा जीएसके, सनोफी और बोहरिंगर इंगेलहेम के खिलाफ संघीय और राज्य अदालतों में 70 हजार मुकदमे दायर हैं।

एसिडिटी, सीने में जलन और गैस के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली इस दवा से कैंसर और अल्सर होने की जानकारी 2019 में सामने आई। जिन्टैक में इस्तेमाल होने वाले रेनिटिडिन को 1977 में एलन एंड हनबरी लैब में बनाया गया। 1983 में ग्लैक्सो स्मिथ क्लाइन (जीएसके) ने इसे जेनटैक के तौर पर बाजार में उतारा। 1997 में रेनिटिडिन पर जीएसके का पेटेंट खत्म हो गया। इस बीच फाइजर और सनोफी जैसी कंपनियों ने भी इसका उत्पादन किया। 2019 में जीएसके के पूर्व कर्मचारियों सहित कुछ स्वतंत्र वैज्ञानिकों ने दावा किया कि रेनिटिडिन में कैंसर कारक एन- नाइट्रोसोडिमिथाइलमाइन (एनडीएमए) की भारी मात्रा पाई जाती है। इसके बाद 2020 में अमेरिकी नियामक संघीय दवा प्रशासक (एफडीए) ने दवा के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे बाजार से बाहर कर दिया।

भारत में बेचने पर प्रतिबंध नहीं- जीएसके ने दुनियाभर के बाजारों से जिन्टैक ब्रांड नाम से बेची जाने वाली इस दवा को हटा दिया है। हालांकि, भारत में इस दवा की बिक्री पर अब भी कोई प्रतिबंध नहीं है।

जीवन के अधिकार का उल्लंघन हुआ...हाईकोर्ट ने इमरान खान की पत्नी को अडियाला जेल भेजने का दिया आदेश

इस्लामाबाद,10 मई 2024। पाकिस्तान के एक हाईकोर्ट ने कहा कि इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को उप-जेल में रखने से उनके जीवन के अधिकार का उल्लंघन हुआ है। हाईकोर्ट ने कहा बुशरा बीबी को अन्य कैदियों से बात करने की अनुमति नहीं थी, जिसके चलते उनकी सजा सामान्य कैद से कहीं ज्यादा कठोर बन गई। हाईकोर्ट ने बुशरा बीबी को रावलपिंडी की अडियाला जेल में शिफ्ट करने का आदेश दिया।

मौलिक अधिकार का उल्लंघन हुआ

अपने आदेश में हाईकोर्ट ने कहा कि उपजेल में बुशरा बीबी का मौलिक अधिकार यानी जीवन के अधिकार का उल्लंघन हो रहा था। अपने 15 पेज के आदेश में हाईकोर्ट ने कहा कि सरकार ने सामान्य जेल की सजा को कठोर सजा बना दिया और बुशरा बीबी के जीवन के अधिकार का उल्लंघन भी किया, जिसकी गारंटी संविधान का अनुच्छेद 9 देता है। हाईकोर्ट ने कहा उप-जेल में बुशरा बीबी को एकांतवास में रखा गया और उन्हें अन्य कैदियों से बात नहीं करने दी गई। साथ ही पूरे बनी गाला को उपजेल घोषित कर दिया गया और न बुशरा बीबी और न ही उनके पति के बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य भी आजादी से घर में नहीं घूम सकते थे।

कोर्ट ने कहा बनी गाला को उप-जेल बनाने से पहले संपत्ति के मालिक की भी मंजूरी नहीं ली गई। इस तरह सरकार ने घर के मालिक के मौलिक अधिकार का उल्लंघन किया। कोर्ट ने बनी गाला को उपजेल बनाने के आदेश को भी रद्द कर दिया।

हाईकोर्ट ने बुशरा बीबी को अडियाला जेल भेजने का दिया आदेश

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना मामले में 14 साल जेल की सजा हुई थी। हालांकि बाद में यह सजा रद्द हो गई। वहीं गैर इस्लामिक विवाह के मामले में भी बुशरा बीबी और इमरान खान दोषी हैं। इन मामलों में इमरान खान जहां रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं, वहीं उनकी पत्नी बुशरा बीबी इस्लामाबाद में उनके घर बनी गाला में बनी अस्थायी जेल में बंद थी। बुशरा बीबी ने बीते दिनों हाईकोर्ट में याचिका दायर कर उन्हें भी अडियाला जेल में बंद करने की मांग की थी। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को अपने आदेश में बुशरा बीबी को उप-जेल से अडियाला जेल भेजने का आदेश दिया।

यूक्रेन के ड्रोन ने 1500 किमी की दूरी से रूसी तेल संयंत्र को बनाया निशाना

दो तेल डिपो पर भी हमला

कीव,10 मई 2024। यूक्रेनी ड्रोन ने गुरुवार को रूस के बश्किरिया क्षेत्र में एक प्रमुख तेल प्रसंस्करण संयंत्र पर करीब 1,500 किलोमीटर की दूरी से हमला किया। युद्ध की शुरुआत के बाद से यह सबसे लंबी दूरी का हमाल है। यूक्रेन ने दक्षिणी रूस में दो तेल डिपो को भी निशाना बनाया। वह महत्वपूर्ण उर्जा प्रतिष्ठानों पर हमला करके अग्रिम पंक्ति के रूसी बलों को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। कीव के एक खुफिया सूत्र ने यह जानकारी दी।

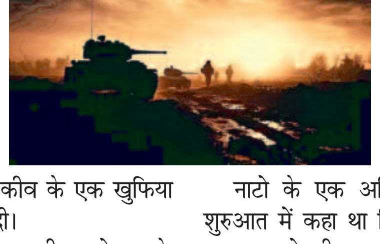

रूस की आपातकालीन सेवा के अधिकारियों ने कहा, ड्रोन हमले में रूस के सबसे बड़े तेल संयंत्र,पेट्रोकेमिकल और उर्वरक परिसर में एक पंपिंग स्टेशन की इमारत क्षतिग्रस्त हुई। क्षेत्र के गवर्नर ने कहा, हमले के बावजूद संयंत्र सामान्य रूप से काम कर रहा है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं की गई है कि ड्रोन कहां से लॉन्च किया गया था और यह किस तरह का उपकरण था। यूक्रेन का नजदीकी सरकारी हिस्सा करीब 1,400 किलोमीटर दूर है।

कीव के सूत्र ने कहा कि ड्रोन ने 1,500 किलोमीटर की उड़ान भरी और रूस के सैन्य परिसर में लगाई गई रिफाइनरियां और तेल डिपो को निशाना बनाया गया। वहीं, मॉस्को का कहना है कि इस तरह के हमले आतंकवाद का कृत्या है। उसने मार्च के मध्य से यूक्रेन के उर्जा बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने वाली बदले की कार्रवाई की है।

नाटो के एक अधिकारी ने अप्रैल के शुरुआत में कहा था कि कीव ने साल की शुरुआत से ही रूस में तेल प्रसंस्करण सुविधाओं पर अपने ड्रोन हमलों को तेज कर दिया है, जिससे रूस की तेल शोधन क्षमता का 15 फीसदी बाधित हो रहा है।

यूक्रेनी सूत्र ने कहा कि कीव के ड्रोन ने रूस के दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र में अनापा शहर के पास दो तेल डिपो पर भी हमला किया। जिससे रात में बड़े पैमाने पर आग लग गई। सूत्र ने कहा कि दोनों हमले यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) द्वारा किए गए थे।

तीस्ता जल परियोजना

बांग्लादेश की मदद करेगा भारत, विदेश सचिव क्वात्रा ने पीएम हसीना के सामने रखा प्रस्ताव

ढाका, 10 मई 2024। भारत ने बांग्लादेश को इसकी महत्वाकांक्षी तीस्ता जल परियोजना में मदद का प्रस्ताव दिया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना और से मुलाकात के दौरान यह प्रस्ताव रखा। बांग्लादेश तीस्ता नदी पर एक जलाशय का निर्माण कर रहा है। तीस्ता जल का बंटवारा भारत और बांग्लादेश के बीच एक विवादास्पद मुद्दा है। इसी वजह से बांग्लादेश ने जलाशय के निर्माण की पहल की और चीन इस परियोजना का समर्थन कर रहा है। हसीना के बाद क्वात्रा ने महमूद से भी मुलाकात की। इसकी जानकारी देते हुए महमूद ने बताया कि क्वात्रा ने तीस्ता से जुड़ी परियोजना के लिए भारत की तरफ से वित्त-पोषण का प्रस्ताव रखा है। परियोजना बांग्लादेश की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई जाएगी। हालांकि, भारत की तरफ से इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, क्वात्रा ने शेख हसीना को दिल्ली आने के लिए आमंत्रित किया है। हसीना हाल ही में चौथी बार बांग्लादेश की सत्ता में आई हैं। नए कार्यकाल में वे अभी तक किसी विदेश दौरे पर नहीं गई हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही वे पहले विदेश दौरे पर भारत आएंगी।

1700 करोड़ के मुकदमे में बढ़ सकती है गूगल की मुसीबत,विज्ञापन कारोबार में एकाधिकार दुरुपयोग पर सुनवाई शुरू

लंदन,10 मई 2024। विज्ञापन कारोबार में एकाधिकार के दुरुपयोग को लेकर 1,700 करोड़ डॉलर के दावे वाले मुकदमे में गूगल की मुसीबत बढ़ सकती है। इस मामले में ब्रिटिश प्रतिस्पर्धा नियामक ने सुनवाई शुरू कर दी है।

गूगल स्वामित्व वाली कंपनी अल्फाबेट ने लंदन के एक न्यायाधिकरण से उसके खिलाफ बड़े पैमाने पर मुकदमे रोकने का आग्रह किया है। उसने यह अपील गूगल की व्यावसायिक प्रथाओं पर सवालिया निशान खड़ा करते मुकदमे को प्रमाणित किए जाने की सुनवाई के दौरान की है। इस केस में ब्रिटिश समाचार वेबसाइटों और ऐप्स ने गूगल से 1,700 करोड़ डॉलर हर्जाना मांगा है। केस करने वाली संस्था के वकील रॉबर्ट ओ डोनॉग्यू ने कहा, गूगल के प्रतिस्पर्धा-विरोधी बर्ताव से उन्हें भारी नुकसान हुआ है।

गूगल के वकीलों ने कहा, यह मामला पूरी तरह असंगत है

दूसरी तरफ, गूगल के वकीलों ने कहा कि यह मामला असंगत है। इसे सुना ही नहीं जाना चाहिए, क्योंकि इसमें यह नहीं बताया गया है कि प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण ने प्रकाशकों को कैसे नुकसान पहुंचा है। डोनोग्यू ने बताया कि यह गूगल के खिलाफ एकाधिकार के दुरुपयोग के मुकदमों की श्रृंखला एक नया मामला है। यह मुकदमा ब्रिटेन के प्रतिस्पर्धा व बाजार प्राधिकरण और यूरोपीय आयोग की तरफ से गूगल के एडटेक व्यवसाय की नियामकीय जांचों के बीच आया है।

अमेरिका,यूरोप में भी ऐसे ही मामले

डोनोग्यू ने बताया कि यूरोपीय आयोग की तरफ से गूगल पर उसकी ऑनलाइन शॉपिंग खोज सेवा और एंड्रॉइड मोबाइल उपकरणों पर गूगल खोज तथा क्रोम ब्राउजर को पहले से इंस्टॉल करने की अनिवार्यता को लेकर पहले ही 200 करोड़ यूरो का जुर्माना लगाया जा चुका है। इसके अलावा इसी तरह के मामले में अमेरिका में भी गूगल के खिलाफ जांच व मुकदमे चल रहे हैं।

अब तक किसी कोर्ट में आरोप साबित नहीं हुए

वहीं, एड टेक कलेक्टिव एक्शन का दावा है कि गूगल के खिलाफ उनके प्रस्तावित मुकदमे को कैट में जल्द ही मंजूरी मिलेगी,क्योंकि इस साल ही फेसबुक का स्वामित्व रखने वाली मेटा के खिलाफ 380 करोड़ डॉलर और एपल के खिलाफ 100 करोड़ डॉलर के दावे को कैट प्रमाणित कर चुका है। इन मामलों की प्रकृति भी ऐसी ही थी। वहीं,गूगल का इस संबंध में कहना है कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोप मनगढंत हैं। अब तक किसी भी अदालत में ये आरोप साबित नहीं हुए हैं।

भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत,ईरान ने जब्त इस्राइली जहाज से रिहा किए पांच भारतीय नाविक

तेहरान,10 मई 2024। भारत को एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिली है। दरअसल ईरान ने बीते दिनों इस्राइल से संबंधित जो जहाज जब्त किया था, उसके क्रू के सदस्यों में शामिल पांच भारतीय नाविकों को रिहा कर दिया है। पांचों भारतीय नाविक ईरान से आज शाम को रवाना भी हो जाएंगे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने रिहा किए गए भारतीय नाविकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और साथ ही ईरान की सरकार को नाविकों की रिहाई के लिए धन्यवाद भी दिया।

ईरान ने 13 अप्रैल को जब्त किया था इस्राइली जहाज

ईरान ने बीती 13 अप्रैल को इस्राइल से संबंधित एक कार्गो जहाज को जब्त किया था। उस जहाज के क्रू में 17 भारतीय नागरिक शामिल थे। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के नजदीक इस्राइल से संबंधित जहाज एमएसएसी एरीज को जब्त किया। यह जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से दुबई की तरफ जा रहा था। ईरान का आरोप था कि जहाज उनके इलाके से बिना इजाजत गुजर रहा था। जहाज पर सवार भारतीय दल में केरल की एक महिला नाविक एन टेसा जोसेफ भी थी, जिसे ईरान की सरकार ने पहले ही रिहा कर दिया था और वह 18 अप्रैल को भारत पहुंच गई थी। ईरान ने जब जहाज को जब्त किया,तब उस पर क्रू के 25 सदस्य सवार थे,जिनमें 17 भारतीय और दो पाकिस्तानी भी शामिल थे। यह जहाज इस्राइली कारोबारी का है, लेकिन पुर्तगाल द्वारा इसका संचालन किया जा रहा था। अभी भी 11 भारतीय नाविक ईरान में ही हैं।

ईरान-इस्राइल में बीते दिनों बढ़ा था तनाव

ईरान, इस्राइल-हमास युद्ध में हमास का समर्थन कर रहा है। यही वजह है कि लाल सागर में ईरान के समर्थन से हूती विद्रोही अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट पर लगातार हमले कर रहे हैं। बीते दिनों इस्राइल पर आरोप लगे कि उसने सीरिया में ईरान के दूतावास को निशाना बनाया, जिसमें ईरानी सेना के दो शीर्ष कमांडर मारे गए थे। इस हमले का आरोप ईरान ने इस्राइल पर लगाया और बदला लेने की धमकी दी थी। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इस्राइल पर मिसाइलों और ड्रोन्स की मदद से बड़ा हमला किया, लेकिन इस हमले में इस्राइल को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। जब दोनों देशों के रिश्तों में तनाव चरम पर था, उसी दौरान ईरान ने इस्राइल के जहाज को होर्मुज जलडमरूमध्य से जब्त किया था।

कौन था सीजी 16 नंबर वाली इनोवा कार में जिससे मिलने कोरिया जिले का पूर्व डीपीएम पहुंचा संकल्प हॉस्पिटल अंबिकापुर ?

कोरिया के पूर्व डीपीएम ने अपने सूरजपुर के अधिकारी को बताया की वह रायपुर अपने भाई का इलाज करने जा रहे हैं पर देखे गए अंबिकापुर संकल्प अस्पताल में

संकल्प अस्पताल में प्रभारी डीपीएम आखिर किसका वीआईपी ट्रीटमेंट करवा रहे थे ?

सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम अपना काम छोड़कर अंबिकापुर संकल्प अस्पताल क्या करने गए थे ?

संकल्प अस्पताल में प्रभारी डीपीएम व एक जिले के कलेक्टर की गाड़ी देखी गई:सूत्र

इनोवा वाहन में लगा था सायरन व नेम प्लेट की प्लेट थी ढकी हुई...वाहन में पीछे लिखा था छत्तीसगढ़ शासन

सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम ने जिले के मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी को बताया की जा रहे हैं रायपुर और देखे गए अंबिकापुर में

सूत्रों की ही माने तो पूर्व डीपीएम स्वास्थ्य विभाग कोरिया जिला जो आजकल सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम हैं ने अपने जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को यह बतलाया कि वह रायपुर अपने भाई को इलाज कराने जा रहे हैं वहीं उन्हे उस दिन अंबिकापुर के संकल्प हॉस्पिटल में देखा गया। सुरजपुर के प्रभारी डीपीएम जब संकल्प हॉस्पिटल अंबिकापुर में देखे गए तब वहां कोरिया जिले के जिला प्रशासनिक अधिकारी के लिए अधिकृत की गई वाहन भी मौजूद थी जो कोरिया जिले के किसी व्यक्ति अधिकारी या उसके परिजन के इलाज के लिए या जांच के लिए पहुंची थी? सुरजपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम अपने अधिकारी से झूठ बोलकर अंबिकापुर गए जो बताया जा रहा है,उन्होंने ऐसा क्यों किया क्या वह कोरिया जिले के अधिकारी के इलाज या जांच का जिम्मा लेकर वहां पहुंचे थे क्या वह कोरिया जिले में अभी भी स्वास्थ्य विभाग में हस्तक्षेप रखते हैं यह उनकी मौजूदगी के बाद सवाल उठता है।

आखिर संकल्प अस्पताल के वीआईपी कमरे में किसका इलाज कराने गए थे सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम ?

अंबिकापुर के संकल्प अस्पताल में कौन था जो कोरिया से सीजी 16 नंबर वाली इनोवा में आए था जिसका वीआईपी कमरे में ईलाज हो रहा था? और जिस के आगे पीछे डीपीएम घूम के वीआईपी ट्रीटमेंट दे रहे थे? आखिर किसका ईलाज चल रहा था जिसका ईलाज कराने सूरजपुर के डीपीएम जो कोरिया जिले के डीपीएम रह चुके हैं वह पहुंचे थे? सूत्रों द्वारा बताया जा रहा है की डीपीएम अपनी कार से वहां पहुंचे थे और वह सीधे वीआईपी कमरे में पहुंचे थे वहीं वह कोरिया जिले के किसी व्यक्ति अधिकारी या उसके परिजन के ईलाज या जांच की जिम्मेदारी सम्हाल रहे थे। सूरजपुर जिले में पदस्थ होने के बावजूद कोरिया जिले के अधिकारी के लिए अपने जिले के अधिकारी से झूठ बोलकर कार्य से अनुपस्थित रहना कहां तक उचित है यह भी बड़ा सवाल है।

एनएचएम की कई फ़ाइल गायब

वर्ष 2022 से लेकर वर्ष 2024 मार्च तक कोरिया जिले में स्वास्थ्य विभाग में जमकर खरीददारी की गई,यहां नियमो को ताक में रखकर की गई वित्तीय अनियमितता में पूर्व डीपीएम और वर्तमान सीएमएचओ की भागीदारी किसी से छिपी नही है,अब चूंकि जांच कभी भी हो सकती है ऐसे में सूत्र बता रहे है कि एनएचएम के ज्यादातर दस्तावेजों को वहां से गायब कर दिया गया। दस्तावेज गायब करने को लेकर कई बार मामले सामने आए है।

-भूपेन्द्र सिंह-
अंबिकापुर/सूरजपुर,10 मई 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग का पूर्व डीपीएम अपने क्रेट कर से छत्तीसगढ़ शासन लिखे इनोवा कार से आए व्यक्ति से मिलने पहुंचे थे,किसी व्यक्ति से मिलने संकल्प हॉस्पिटल अंबिकापुर पहुंच गया,संविदा में होते कोरिया जिले के पूर्व डीपीएम को जो वर्तमान में सूरजपुर जिले में कार्यरत है उसे बेहद सख्त और ईमानदार सूरजपुर कलेक्टर भी नही रोक पा रहे हैं। वहां भी वो अपनी मनमानी से ड्यूटी कर रहे है,इधर कोरिया जिले में अब तक प्रभार उन्होंने नही दिया है और उधर आज तो उसे अम्बिकापुर में देखा गया। आपको बता दें की कोरिया जिले के पूर्व डीपीएम बीते 2 साल से जिला प्रशासन की मेहरबानी से नियमो को ताक में रखकर जमकर वित्तीय अनियमितताएं बरत रहे है, आज तो वह कोरिया जिले में जिला प्रशासन में लगी एक इनोवा कार में अंबिकापुर आये अधिकारी से मिलने अम्बिकापुर पहुंच गये। आखिर इनोवा कार में कौन था जिससे वो मिलने अम्बिकापुर पहुंचा ये बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। वैसे बताया जा रहा है की इनोवा कार में जिले के अधिकारी चलते हैं और जिले में ही वाहन अधिकृत है।

कोरिया व कोरिया कलेक्टर दोनों से इनका मोह नही हो रहा खत्म?

सूरजपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी डीपीएम का जो पूर्व में कोरिया जिले में प्रभारी डीपीएम रह चुके हैं का कोरिया जिला और जिले के कलेक्टर से मोह भंग नहीं हो रहा है। कोरिया कलेक्टर कांग्रेस शासनकाल से ही जिले में पदस्थ हैं वहीं प्रभारी डीपीएम उनके साथ कोरिया जिले में काफी प्रसिद्ध थे क्योंकि उनके सबसे करीब थे। अब वह वापसी की तैयारी में है।

क्या प्रभारी डीपीएम को मिल चुकी है छूट कुछ भी करने की ?

कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग में प्रभारी डीपीएम बतौर काम कर चुके वहीं वर्तमान में सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम को क्या कुछ भी मनमानी करने की छूट मिल चुकी है। कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग में उनके द्वारा जमकर भ्रष्टाचार किया गया है यह बात किसी से छिपी नहीं है वहीं वह अब सूरजपुर जिले में पदस्थ हैं और वहां भी वह झूठ बोलकर काम कर रहे हैं, जिसकी बानगी तब देखने को मिली जब वह अपने भाई के बीमारी का बहाना बनाकर उसका इलाज कराने की बात कहकर कोरिया जिले से अंबिकापुर पहुंचे किसी व्यक्ति अधिकारी या उसके परिजन का इलाज कराने संकल्प अस्पताल पहुंचे थे। यह एक तरह से मनमानी ही है क्योंकि झूठ बोलकर जाने की क्या जरूरत थी? यदि वह कोरिया जिले के ही किसी का इलाज कराने पहुंचे थे। उन्होंने अपने अधिकारी से झूठ बोला जो की कहीं न कहीं बड़ी गलती है?

प्रभारी डीपीएम को आखिर किसका मिला हुआ है संरक्षण ?

प्रभारी डीपीएम सूरजपुर जिले को आखिर किसका संरक्षण मिला हुआ है। कांग्रेस शासनकाल में भी वह मनमानी करते थे वहीं भाजपा शासनकाल में भी उनकी मनमानी जारी है। उनका कौन सा जुगाड ऐसा है जो सत्ता परिवर्तन के बाद भी उनके साथ है। वैसे कांग्रेस शासनकाल सहित भाजपा के सत्ता में वापसी तक वह कोरिया जिले में मनमानी करते रहे वहीं लोकसभा चुनाव के ऐन पहले उन्हे जिले से हटाया गया सूरजपुर भेजा गया लेकिन वहां भी उनकी मनमानी जारी है। उन्हे स्वास्थ्य विभाग में कुछ भी करने की छूट आखिर किसने दे रखी है यह बड़ा सवाल है जो लगातार उठ रहा है चाहे कांग्रेस शासनकाल की बात हो या भाजपा शासनकाल की।

सूरजपुर से फिर कोरिया आने की जुगत में भिड़े हैं प्रभारी डीपीएम

कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग को दीमक की तरह चट्ट कर चुके स्वास्थ्य विभाग के पूर्व डीपीएम जिन्हे सूरजपुर भेजा गया है वह फिर से कोरिया जिला आना चाहते हैं जैसा बताया जा रहा है। बताया यह भी जा रहा है की सूरजपुर जिले में वह उतनी मनमानी नहीं कर पा रहे हैं जितनी वह कोरिया जिले में कर पा रहे थे। अब वह कोरिया जिले में कब वापसी कर पाते हैं यह तो आगे पता चलेगा लेकिन बता दें की वह कोरिया जिला प्रशासन के बड़े अधिकारियों के संपर्क में बने हुए हैं और वह उनकी सेवा भी कर रहे हैं इसलिए उनके कोरिया आने की संभावना प्रबल हो चुकी है।

अधिवक्ता संघ मनेन्द्रगढ़ का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जिला एवं सत्र न्यायाधीश भीष्म प्रसाद पांडे ने मनेन्द्रगढ़ अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारी को दिलाई शपथ

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,10 मई 2024
(घटती-घटना)।

अधिवक्ता संघ मनेन्द्रगढ़ का शपथ ग्रहण समारोह जिला एवं सत्र न्यायाधीश भीष्म प्रसाद पांडे के मुख्य अतिथि कार्यक्रम अध्यक्ष प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मनेन्द्रगढ़ मंसूर अहमद एवं विशिष्ट अतिथि विवेक कुमार तिवारी प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनेन्द्रगढ़, कुमारी सुनीता साहू द्वितीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनेन्द्रगढ़,सरिता दास अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एफटीसी मनेन्द्रगढ़,मुकेश कुमार पात्रे अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश चिरमिरी, विनय कुमार प्रधान अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश बैकुंठपुर, सीजीएम बैकुंठपुर समीर कुजूर, श्रीमती आस्था यादव न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मनेन्द्रगढ़, न्यायाधीश असलम खान,राकेश खलखो, अमन तिग्गा,मनोज कुमार कुशवाहा की उपस्थिति में मनेन्द्रगढ़ न्यायालय परिसर में गरिमामयी रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की छायाचित्र पर दीप प्रज्जन व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत मंच पर उपस्थित सभी न्यायाधीशगण का अधिवक्ता संघ के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया इसके बाद जिला एवं सत्र

न्यायाधीश भीष्म प्रसाद पांडे ने मनेन्द्रगढ़ अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारी अध्यक्ष विजय मिश्रा,सचिव आशीष सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती सविता गुप्ता, मयंक जैन,कोषाध्यक्ष कुलदीप जायसवाल, सहसचिव प्रवीण पटेल,क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रभारी कमलेश पांडे, पुस्तकालय प्रभारी यार साय राजवाड़े,कार्यकारिणी सदस्य परवीन बेगम,प्रदीप शर्मा,राजेंद्र तिवारी आलोक अग्रवाल,जयलाल सिंह व समय लाल सिंह को अधिवक्तावो के हितों में कार्य करने का शपथ दिलाया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष विजय मिश्रा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी मंचस्थ अथितियों का स्वागत करते हुए कहा कि अधिवक्ता संघ ईमानदारी से वकीलों के हितो की सुरक्षा के लिए कार्य करेगा, वही जिला मुख्यालय होने के कारण अभी तक जिन न्यायालयों की स्थापना मनेन्द्रगढ़ में किन्ही कारणों से नही हो पाई है,सबको साथ लेकर उसको स्थापित कराने की पहल कर उसे स्थापित कराया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट बार काउंसिल के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश ने कहा कि वर्ष 2024 अधिवक्ता संघ के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारीगण ऊर्जावान एवं क्रियाशील है,और इनके नेतृत्व में अवश्य ही अधिवक्ता संघ मनेन्द्रगढ़ नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा,और शुभकामनाएं दिए वही उन्होने मंच पर उपस्थित न्याया -धीशगण से मनेन्द्रगढ़ अधिवक्तावो के अधिवक्ता संघ कक्ष का विस्तार कराने का आग्रह किया।शपथ ग्रहण कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मनेन्द्रगढ़ मंसूर अहमद ने सभी निर्वाचित पदाधिकारीवो को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए संघ के पदाधिकारी न्यायपालिका और अधिवक्तावो के बीच सामंजस्यपुर्ण अस्तित्व सुनिश्चित करते हुए न्यायिक प्रणाली को मजबूत बनाने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश बैकुंठपुर भीष्म प्रसाद पांडे ने उपस्थित अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी अधिवक्ता न्यायपालिका के साथ-साथ न्यायिक तंत्र का महत्वपूर्ण अंग है अधिवक्ताओं को दिए गए अधिकार यह सुनिश्चित करते हैं कि उनका संचालन सुचारू रुप से हो,और उन्होंने अधिवक्ता संघ के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियो को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जो भी न्यायालयीन भवन या कक्ष की मूलभूत आवश्यकताये होगी उसका भी निराकरण अवश्य कराने की पहल की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित सचिव आशीष सिंह ने कहा कि संघ के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी संघ की गरिमा के अनुरूप अपना काम करेंगे और सब की सहभागिता सुनिश्चित हो इस दिशा में प्रयास होगा वअधिवक्तावो का हित सरोपरी है। आभार प्रदर्शन मयंक जैन ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रमेश सिंह,विशोक खरे, विजय प्रकाश पटेल,मोहम्मद अशफाक इराकी, गणेश अग्रवाल श्याम बिहारी रैकवार,मोहम्मद शफीक खान, अखिलेश शर्मा,घनश्याम राय, मनोज त्रिपाठी राधेश्याम यादव, रवींद्र जायसवाल,श्रीमती पूर्णिमा खरे, संतोष सिंह,रामनरेश पटेल ,संजीवन लाल,विनोद पासी, सुधीर पाठक,अशोक राजवाड़े,संजय गुप्ता, विनय पाठक मुकेश अग्रवाल, कैलाश विश्वकर्मा आशीष मजूमदार, ध्रुव निगम, कल्याण केसरी,राम सुमन मिश्रा,मनमोहन साहू,गोपाल, मंजू,अजय पांडे,मनीष सोनी, सुनील चौबे,रामसेवक सोनी,सूरजभान सिंह कन्हैयालाल, राजेश गुप्ता, अजहर जहांगीर,जितेंद्र मिश्रा,जितेंद्र चौहान,श्रीमती पूनम गुप्ता,श्रीमती रश्मि पांडे,श्रीमती अंकित तिवारी,महजबीन खान, वेंकटेश सिंह, आशीष मजूमदार, आशीष राय सहित सैकड़ो की संख्या में अधिवक्ता एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

अस्पतालों में गर्भवती माताओं का हर माह निःशुल्क जांच-उपचार

-संवाददाता-
कोरिया,10 मई 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' के अंतर्गत सभी गर्भवती माताओं का निःशुल्क जांच उपचार एवं सभी तरह की स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इसी कड़ी में 9 मई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सोनहत में विकासखण्ड सोनहत के खण्ड चिकित्सा अधिकारी, डॉ. श्रेष्ठ मिश्रा के द्वारा 44 गर्भवती माताओं का निःशुल्क सोनोग्राफी किया गया। जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध है। इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक माह के 09 एवं 24 तारीख को जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में निःशुल्क जांच उपचार की सुविधा है।

जिला अस्पताल में हो रहे हैं नियमित डायलिसिस

हर दिन पहुंच रहें है 8 से 12 मरीज

-संवाददाता-
कोरिया,10 मई 2024
(घटती-घटना)।

बैकुण्ठपुर स्थित जिला अस्पताल में मरीजों की जांच,उपचार सही समय पर हो इसके लिए पर्याप्त संख्या में डॉक्टर स्टॉफ की व्यवस्था समय-समय पर राज्य एवं जिला प्रशासन द्वारा की गई है। इस आदिवासी बाहुल्य अंचल में मरीजों की आवश्यकताओं के अनुरूप लगातार स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर रहते हैं। बता दें जिला अस्पताल बैकुण्ठपुर में डायलिसिस मशीन का सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा है। फिलहाल पांच डायलिसिस मशीन की स्थापना की गई है, जिसमें चार डायलिसिस मशीन का सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा है। इसमें से एक डायलिसिस मशीन टेक्निकल सर्विस के लिए बंद है, जिसे शीघ्र प्रारंभ कर दी जाएगी। इस संबंध में यह अफवाएं फैलाई जा रही हैं कि, जिला चिकित्सालय में एक दिन में सिर्फ दो ही मरीजों का डायलिसिस किया जा रहा है जो पूर्णतः भ्रामक है। फिलहाल प्रतिदिन जिला चिकित्सालय में 8 से 12 मरीजों का डायलिसिस किया जा रहा है। कोई भी मरीज डायलिसिस के लिए परेशान नहीं है। उन्हें समय पर बेहतर सेवाएं दी जा रही हैं।

3 बच्चों ने टॉप टेन की सूची में दर्ज किया नाम

» 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों से मिले कलेक्टर

» छात्रों को दी उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

-संवाददाता-
बलरामपुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)। कलेक्टर रिमिजियुस एक्का ने 10वीं और 12वीं के परिणाम के बाद प्रदेश और जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं से मुलाकात की है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील मौजूद रहीं। कक्षा दसवीं में राज्य में 7वीं रैंक प्राप्त अंशिका गुप्ता, बारहवीं के छात्र पीयूष कुमार कन्नौजिया ने 7वीं रैंक एवं साहिल खान ने 9वीं रैंक हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। कलेक्टर श्री एक्का ने छात्रों को परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करते हुए प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी और आगे भी सफलता के नये आयाम गढ़ने की बात कही। इस दौरान कलेक्टर ने मेरिट में स्थान बनाने वाले विद्यार्थियों को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया और मिठाई खिलाकर खुशिया साझा की। साथ ही छात्र-छात्राओं के अभिभावको को भी गुलदस्ता भेंट किया गया। कलेक्टर श्री एक्का ने छात्रों से चर्चा कर उनके भविष्य के लक्ष्य के बारे में जानकारी ली और कैरियर मार्गदर्शन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिले के विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान बनाकर जिले का गौरव बढ़ाया है। आप सबकी कड़ी मेहनत और लगन ने अभिभावकों और गुरूजनों का मान बढ़ाया है। आप अगली परीक्षाओं में भी बढ़िया प्रदर्शन करें। उन्होंने जिले के सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा में सफल होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्चों के सहर्ष निवेदन पर कलेक्टर ने बच्चो के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील ने बच्चों का शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आगे भी कड़ी मेहनत करें। अपनी रूचि के अनुसार विषयों का चयन करके कॅरियर के बारे में अभी से पूरी प्लानिंग करें। किसी भी तरह की असफलता मिलने पर निराश न हों। नए उत्साह के साथ प्रयास करें। असफलता हमेशा हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। जो कठिन परिश्रम करेगा उसे अच्छे परिणाम अवश्य मिलेंगे। आप सभी आगे भी शिक्षा के क्षेत्र में जिले एवं राज्य का नाम रोशन करें। गौरतलब है कि राज्य स्तर पर 12वीं कला संकाय में 95.60 प्रतिशत के साथ सातवां स्थान प्राप्त करने वाले पीयूष और 95.20 प्रतिशत प्राप्त कर नौवां स्थान प्राप्त करने वाले साहिल खान विकासखण्ड वाड्रफनगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरतीकला के छात्र है। तो वही दसवीं कक्षा में 97.67 प्रतिशत के साथ प्रदेश में सातवां स्थान प्राप्त करने वाली अंशिका गुप्ता विकासखण्ड बलरामपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जरहाडीह की छात्रा है। जारी हुए 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों में इन बच्चों ने प्रदेश और जिले की मेरिट लिस्ट में स्थान बनाया।

जागेश्वर यादव को मिला पद्मश्री पुरस्कार

» बिरहोर आदिवासियों के उत्थान हेतु बेहतर कार्य के लिए किया गया सम्मानित

» राष्ट्रपति भवन, दिल्ली में आयोजित पद्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति के हाथों हुए सम्मानित

-संवाददाता-
जशपुर,10 मई 2024(घटती-घटना)। जशपुर जिले के रहने वाले समाजसेवी श्री जागेश्वर यादव को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री से सम्मानित किया है । आज राष्ट्रपति भवन, दिल्ली में आयोजित पद्म पुरस्कार समारोह में पद्मश्री से सम्मानित किया है । जागेश्वर यादव का नाम 2024 के पद्मश्री पुरस्कार के लिए चयनित हुआ था। जिले के बिरहोर आदिवासियों के उत्थान हेतु बेहतर कार्य के लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया गया। बगीचा ब्लॉक के भितघरा गांव में पहाड़ियों व जंगल के बीच रहने वाले श्री जागेश्वर यादव 1989 से ही बिरहोर जनजाति के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए जशपुर जिले में एक आश्रम की स्थापना की है। साथ ही शिविर लगाकर निरक्षरता को खत्म करने और स्वास्थ्य व्यवस्था लोगों तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत की है। उनके प्रयासों का नतीजा था कि कोरोना के दौरान टीकाकरण की सुविधा मुहैया कराई जा सकी। इसके अलावा शिशु मृत्यु दर को कम करने में भी मदद मिली।

व्हीआईपी काफिले से टकराई विद्युत कर्मियों की वाहन

»सहायक अभियंता की मौत,जेई व ठेकेदार गंभीर रूप से घायल

-संवाददाता-
अंबिकापुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)। जशपुर जिले के कांसाबेल थाना क्षेत्र में 2 कारों की आपने-सामने की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में विद्युत विभाग कांसाबेल के सहायक अभियंता मनहर की मौत हो गई और जूनियर इंजीनियर कमिल टोप्पो व ठेकेदार रमेश गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। शुक्रवार दोपहर विद्युत विभाग के अधिकारी ठेकेदार को लेकर बगिया गांव में बिजली व्यवस्था की जायजा लेने जा रहे थे तभी व्हीआईपी काफिले से उनकी कार टकरा गई। जानकारी अनुसार, शुक्रवार को दोपहर कांसाबेल में पदस्थ विद्युत विभाग के सहायक अभियंता धनसाय मनहर, दोकड़ा में पदस्थ जेई शीतल टोप्पो व विभाग के ठेकेदार रमेश गुप्ता के साथ कार में सवार होकर विद्युत व्यवस्था की जांच व निरीक्षण के लिए ग्राम बगिया जा रहे थे। बंदरचुवा मार्ग पर कांसाबेल से 4 किलोमीटर पूर्व बेलाघाट के पास पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही व्हीआईपी वाहनों के काफिले में चल रही इनोवा वाहन से उनकी भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल सहायक अभियंता धनसाय मनहर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि जेई व ठेकेदार गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में इलाज के लिए दाखिल कराया गया है

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चलती-फिरती पियाऊ का किया गया उद्घाटन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,10 मई 2024 (घटती-घटना)। जशपुर अंबिकापुर के प्रतिष्ठित बिजनेसमैन रमेश केडिया जी के द्वारा यह पुण्य का कार्य पिछले 15 वर्षो से किया जा रहा है इस जलती धूप में केडिया जी हर रोज पिकअप में 200 से 300 लीटर पानी और 50 लीटर शरबत ले कर निकलते है और अंबिकापुर शहर में घूम घूम कर पानी और शरबत लोगो को पिलाते है । इस कार्य को पूरा अंबिकापुर सरहहना देता है । केडिया जी पूरे अंबिकापुर के युवाओं के लिए एक आइडल पर्सन बन चुके है । चलती फिरती पियाऊ प्रतिदिन अलग अलग चौक में घुमाया जाता है तथा लोगो को पानी पिलाया जाता है । हम रमेश केडिया जी को शुभकामनाए देते है की भगवान की ऐसी असीम कृपा आप पर सदेव बना रहे

बतौली थाना क्षेत्र में छोटा हाथी वाहन और कार में भिड़ंत से चार लोगों की दर्दनांक मौत

-संवाददाता-
बतौली,10 मई 2024(घटती-घटना)। अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग पर बतौली थाना क्षेत्र में छोटा हाथी वाहन और ब्रेजा कार में आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत हो जाने से वाहन में सवार चार लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि छोटा हाथी वाहन में सवार तीन लोगों की मौत हो गई वहीं कार में भी तीन लोग सवार थे जिसमें से एक व्यक्ति की मौत होने की खबर है। दोनो वाहनों के परखच्चे उड़ जाने से शव वाहन में बुरी तरह से फंसे रहे। पुलिस के द्वारा गैस कटर मशीन से वाहन को काट शवों को बाहर निकाला गया। कार सवार दो लोगों को गंभीर चोट आई है। देर शाम तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई थी। बताया जा रहा है कि कार अंबिकापुर से सीतापुर और छोटा हाथी वाहन सीतापुर के अंबिकापुर की ओर आ रही थी तभी उक्त हादसा हुआ।

पूरक आई 10 वीं की छात्रा रिजल्ट देख लगी रोने...डिप्रेशन में लगा ली फांसी

» बेटी को रोते देख पिता ने दी थी समझाइश,कहा था कि कोई बात नहीं,अबकी बार अच्छे से पढ़कर पास हो जाना, इसी बीच छात्रा ने उठा लिया घातक कदम

-संवाददाता-
रामानुजगंज,10 मई 2024(घटती-घटना)। . 10 वीं का रिजल्ट घोषित होने के बाद एक ओर जहां बच्चे एवं उनके अभिभावक खुशी में झूम रहे थे। वहीं ग्राम पुरुषोत्तमपुर की 10 वीं की छात्रा 2 विषय में पूरक आ गई तो वह रोने लगी। इसी बीच शुक्रवार की सुबह उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस दौरान माता-पिता खेत गए थे,जबकि उसकी बड़ी बहन खाना बना रही थी। छात्रा गणित एवं विज्ञान में पूरक आई थी। इसी वजह से डिप्रेशन में उसने ऐसा घातक कदम उठा लिया।

बलरामपुर जिले के रामानुजगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पुरुषोत्तमपुर निवासी रेखा सिंह पिता मनोज सिंह ने इस साल 10 वीं बोर्ड की परीक्षा दी थी। 7 मई को उसका रिजल्ट घोषित हुआ। इसमें रेखा सिंह का 600 नंबर में 316 नंबर मिले थे, लेकिन वह गणित एवं विज्ञान में विषय में सप्लीमेंट्री आ गई थी।

रिजल्ट देखने के बाद वह गहरे अवसाद में चल गई एवं रोने लगी। रेखा दो बहन एवं एक भाई में सबसे छोटी थी। आज सुबह जब बड़ी बहन खाना बना रही थी तो उसने दूसरे कमरे में जाकर फांसी लगा ली। घर के अन्य सदस्य खेत में गए थे। जब बड़ी बहन खाना बनाने के दौरान रेखा-रेखा की आवाज लगाई तो

उसने कोई जवाब नहीं दिया। जब वह कमरे में पहुंची तो बहन को लटका देख उसके रोने का ठिकाना न रहा। फिर उसने परिजनों को यह बात बताई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर पीएम पश्चात परिजन को सौंप दिया।

पिता ने दी थी समझाइश

रेखा के पिता खेती किसानी करते हैं। जब उन्हें यह पता चला कि 2 विषय में पूरक आने से वह रो रही है तो उन्होंने उसे समझाश कि कोई बात नहीं। फिर से मेहनत करना और पास हो जाना। लेकिन रेखा के दिमाग में कुछ और चल रहा था। इसी बीच उसने आत्महत्या जैसा खौफनाक कदम उठा लिया।

10 वीं में मिले थे 44.5 प्रतिशत अंक

बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम आने के बाद पूर्व कलेक्टर अवनीश शरण ने इंटरनेट मीडिया पर अपना 10 वीं का रिजल्ट साझा करते हुए लिखा है कि खराब मार्क्स लाकर कुछ गलत स्टेप उठाने से पहले एक बार मेरा 10 वीं का रिजल्ट देख लें।

फिर बाद में उन्होंने लिखा कि सिविल सेवा के परीक्षा में द्वितीय प्रयास में पूरे देश में 77 वां स्थान प्राप्त किया। रेखा के गणित एवं विज्ञान के अलावा दूसरे विषयों में अच्छे नंबर थे। उसके 50 प्रतिशत अंक भी आए थे। यदि रेखा प्रयास करती तो अच्छा कर सकती थी।

प्राचार्य बोले... जीवन बहुत महत्वपूर्ण

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल के प्राचार्य ज्ञानेंद्र वाजपेयी ने कहा कि आज का दौर नंबरों का दौरा नहीं है, अपने ऊपर विश्वास बनाए रखें। अंदर की क्षमता को बढ़ाएं। ऐसे अनेक उदाहरण है जिन्होंने 10 वीं व 12वीं की परीक्षा में अच्छा अंक नहीं लाया, लेकिन आज उच्च शिखर पर हैं। जीवन बहुत महत्वपूर्ण है,इससे बढक़र कुछ नहीं है। यदि हम चाहें तो दृढ़ संकल्प से किसी भी ऊंचाई में पहुंच सकते हैं। इसके लिए रिजल्ट मायने नहीं रखता है।

बी.एस.सी. नर्सिंग का मार्कशीट एवं पंजीयन गुम होने की सूचना

गायत्री पिता श्री जयसिंह पैकरा उम्र 31 वर्ष निवासी ग्राम+पोस्ट - चिरमी (497449) तहसील खडगवां, जिला-कोरिया,छत्तीसगढ़ की रहने वाली है। दिनांक 15/04/2024 को अपने बी.एस.सी. नर्सिंग का सम्पूर्ण अंकसूची, नर्सिंग पंजीयन, डिग्री प्रोविजनल एवं 10 वीं, 12 वीं का मूल प्रति बैकुण्ठपुर बस स्टैण्ड के पास कहीं गिर गया है।

जिस भी महानुभव को मिले तो कृपया इस पर संपर्क करें।

मो0नं0 - 7662810717 पर सम्पर्क करें।

भगवान परशुराम की जयंती पर ब्राह्मण समाज ने उत्साह के साथ कुसमी शहर में निकाला शोभायात्रा

-संवाददाता-
कुसमी,10 मई 2024 (घटती-घटना)।, बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड मुख्यालय में भगवान परशुराम जयंती पर्व को ब्राह्मण समाज ने धूमधाम के साथ मनाया ,गौरतलब है की मिली जानकारी के मुताबिक हर वर्ष अक्षय तृतिया के दिन भगवान परशुराम की जयंती ब्राह्मण समाज बड़े ही धूमधाम से मनाते है वही इस वर्ष 10 मई 2024 शुक्रवार को यह शुभ दिन आई और फिर ब्राम्हण समाज के लोग ने इस वर्ष भी भगवान की जयंती पर शिव मंदिर में एकत्र होकर बडे उत्साह के साथ भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित कर विधि विधान के साथ पुजा अर्चना कर हवन किया,वही पुजा अर्चना के पश्चात भगवान परशुराम की गाजे बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई ,शोभायात्रा शिव मंदिर से भगवान परशुराम की ध्वजास्थल तक निकाली गई ,वही ध्वजा स्थल पर ध्वज को स्थापित कर भगवान की जय जयकार लगाई गई, कार्यक्रम स्थल पर सर्व ब्राम्हण समाज के कुसमी अध्यक्ष सुरेश वैध के द्वारा सभा को संबोधित करते हुए कुसमी विकासखंड सहित पूरे भारत देश में अमन चैन शांति हमेशा बना रहे ऐसी कामना भगवान परशुराम जी से की गई,सभा में उपस्थित लोगो के साथ साथ सभी क्षेत्रवासियों को भगवान परशुराम जयंती के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई ,कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्राम्हण समाज के युवा वर्ग महिला एवं पुरूष वर्ग ने अपना विशेष योगदान दिया,भगवान परशुराम जयंती के कार्यक्रम पर सर्व ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष सुरेश वैध,वरिष्ठ मदन तिवारी,उमेश्वर ओझा,नागेंद्र तिवारी,अरविंद तिवारी ,राम गोविंद पांडेय,हरिशंकर मिश्र , श्रवण दुबे , रविन्द्र ओझा , राकेश भारती, पंकज दुबे, प्रद्युमन तिवारी , दिनेश तिवारी , शशांक दुबे , पुष्पेंद्र ओझा , सुनील तिवारी , अरुण तिवारी,हरकेश भारती ,विश्वनाथ तिवारी , उमेश पांडेय,अरुण तिवारी, शैलेश चौबे , अनुज पांडेय, शुभम तिवारी, नितेश भारती , नितेश तिवारी,शुशील दुबे,उमंग तिवारी, प्रियांशु ओझा , सौरभ दुबे , गौरव दुबे , वंश दुबे , लक्ष्य दुबे ,शुभम भारती ,प्रिंस भारती , अमृत भारती , अभिनव तिवारी , दीपक तिवारी , सहित महिला नारी शक्ति , प्रियंका तिवारी ,मनीषा तिवारी ,पूनम तिवारी , शकुंतला तिवारी, अंजू तिवारी , बीना तिवारी, रेखा देवी ,रंभा पांडे ,पूजा देवी ,पूनम दुबे , पूनम तिवारी , पूनम दुबे , नमिता चौबे , अनीता भारती , किरण भारती, ममता ओझा , किरण ओझा , सहित काफी संख्या में ब्राम्हण समाज के लोग शामिल रहे।

महिलाओं की सशक्तिकरण के लिए सरहरी, मायापुर पंचायत में बैठक का आयोजन

-संवाददाता-
प्रतापपुर,,10 मई 2024(घटती-घटना)। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन के अंतर्गत आज आकांक्षी विकासखंड प्रतापपुर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक में स्वच्छ भारत मिशन, ओडीएफ़, कचरा संकलन के मुद्दों को लेकर चर्चा की गई।इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य था स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सक्षम बनाना और व्यवहार परिवर्तन की दिशा में अपने पंचायत को स्वच्छ और मॉडल ग्राम पंचायत निर्माण को बढ़ावा देना।समूह की महिलाओं की सहायता से घर-घर कचरा संग्रह किया जाएगा, मॉडल ग्राम पंचायत बनाने के लिए लोगों को जागरूक भी किया जायेगा। जिससे स्वच्छता की स्थिति में सुधार होगा।इस कार्य के लिए उन्हें मानदेय भी दिए जाएंगे, जिससे उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

इस बैठक में एबीपी फेलो, विनोद कुमार प्रजापति, ज़िला सलाहकार (यूनिसेफ), प्रथमेश मानेकर द्वारा स्वच्छता, स्वास्थ्य और पोषण इन विषयों को लेकर सविस्तार जानकारी दी और कचरा संकलन और मॉडल ग्रामपंचायत बनाने के लिए प्रेरित किया गय।और स्वच्छ भारत मिशन से ब्लॉक कॉर्डिनेटर, अंसारी जी, क्लस्टर कोर्डिनेटर संजय जयसवाल, एनआरएलएम, कार्यकर्ता, समूह की महिलाएं, सचिव एवं ग्राम पंचायत के लोग इस बैठक में उपस्थित थे।

न्यायालय नजुल अधिकारी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0-202404021200 /अ-6/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आर्वेदिक सुमित्रा अग्रवाल पत्नी बजरंग अग्रवाल निवासी-त्रिपाठी गली ब्रम्हवार्ड अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) ने इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं कि अनावेदक/ विक्रेता -प्रदीप बंसल आ0स्व0 परमेश्वर दास निवासी-सेठ बसंतलाल मार्ग ब्रम्हपारा अंबिकापुर जिला-सरगुजा के स्वामित्व एवं हक की शीट नं0-08 मोहल्ला- ब्रम्हपारां नगर-अंबिकापुर स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक 3138/3 कुल रकबा 0.03 एकड में से 653 वर्गफीट एवं भू-खण्ड क्रमांक 3138/5 कुल रकबा 0.06 एकड में से 322 वर्गफीट भूमि को आवेदिका द्वारा अनावेदिका से पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 14/07/2022 के माध्यम से क्रय किया गया हैं।अतः पंजीबद्ध दिनांक 14/07/2022 के आधार पर क्रय की गई भूमि के अभिलेख में अपना नाम दर्ज करने बावत् आवेदक द्वारा आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109 110 छ.ग.भू-राजस्व.संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया हैं।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा-आपत्ति हो, तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27/05/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 03/05/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील
नजूल अधिकारी
अंबिकापुर,

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0......../अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक फारूकखान पिता मोजीबुद्वीन जाति मुसलमान निवासी नवागढ तहसील - अंबिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भुमि स्थित ग्राम - नवागढ तहसील अंबिकापुर जिला- सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 215/35 रकबा 0.008 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय हेतु प्रयोजन व्यपवर्तन कराने के लिए भुमि की बी-1खसरा नक्सा सेटूलमेंन्ट भुमि उपयोगिताा प्रमाण -पत्र रजिस्टी की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है। जो इस न्यायालय में विचारधीन हैं।

अतएव संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 27/05/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक10/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा) अंबिकापुर

सर्वमंगला रेलवे फाटक से उरगा नहर मार्ग तक भारी वाहनों के परिचलन पर लगा रोक

-संवाददाता-
कोरबा,10 मई 2024 (घटती-घटना)। जिले में आए दिन सड़क दुर्घटना को देखते हुए एवं जर्जर हो गई कुसमुंडा मार्ग के मरम्मत हेतु कोयला परिवहन में लगे भारी वाहनों को सर्वमंगला नहर मार्ग पर चलने वाले भारी वाहनों के परिचलन में लगा प्रतिबंध ।

भारी वाहनों के आवागमन के लिए सर्वमंगला मंदिर मार्ग को डायवर्सन रोड बनाया गया है और यह भी खराब होने से लगातार जाम की समस्या व आए दिन दुर्घटना की संभावना बन हुई है जिसे संज्ञान में लेकर कटघोरा एसडीएम ने एक आदेश जारी कर सर्वमंगला-नहर मार्ग में चलने वाले भारी कोयला वाहनों के परिचलन में लगाया रोक । अनुविभागीय दण्डाधिकारी कटघोरा ने जारी आदेश में कहा है कि सर्वमंगला डायवर्सन रोड खराब होने से लगातार ट्रकों के जाम की समस्या बनी हुई है एवं आए दिन दुर्घटना भी हो रही है, जिसके कारण आम जनता को आवागमन में परेशानियों के साथ दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। साथ ही वर्षा ऋ़तु से होने वाली परेशानियों व आम जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सडक़ निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है । अतः उक्त कारणों को दृष्टिगत रखते हुए आगामी आदेश पर्यन्त भारी वाहनों एवं कोयला परिवहन को सर्वमंगला रेलवे फाटक से उरगा नहर मार्ग तक प्रतिबंधित कर किसी अन्य वैकल्पिक मार्ग से परिवहन करवाने की व्यवस्था किया जावें। एसडीएम ने कहा है कि यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा एवं आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

भारत डब्ल्यूपीबीएल के साथ पहली बार पेशेवर पिकलबॉल लीग प्राप्त करने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 10 मई 2024। संभावित रैकेट स्पोर्ट्स हब के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को वर्ल्ड पिकलबॉल लीग (डब्ल्यूपीबीएल), पहली पेशेवर पिकलबॉल लीग के लॉन्च के साथ बड़े पैमाने पर बढ़ावा मिलने वाला है। लीग की परिकल्पना पूर्व डेविस कप टेनिस स्टार और अर्जुन अवार्डी गौरव नाटेकर की नाटेकर स्पोर्ट्स एंड गेमिंग (एनएसजी) और सोनी एंटरटेनमेंट टैलेंट वेंचर्स इंडिया (एसईटीवीआई) द्वारा की गई है। पिकलबॉल, एक रैकेट खेल, टेनिस, टेबल टेनिस और बैडमिंटन के तत्वों को जोड़ता है और इसने विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण लोकप्रियता हासिल की है।

एक खिलाड़ी, सलाहकार, उद्यमी और प्रशासक के रूप में 35 वर्षों से अधिक के अपने व्यापक अनुभव का उपयोग करते हुए, नाटेकर ने कहा हमें भारत में उद्घाटन वैश्विक पेशेवर पिकलबॉल लीग का अनावरण करने पर गर्व है। इसकी सीखने और खेलने में आसान प्रकृति के साथ मिलकर उम्र और लिंग के प्रति अज्ञेय होने के कारण यह लोगों के लिए बाहर आकर खेलने के लिए आदर्श खेल है, जिससे खेल भागीदारी का लोकतांत्रिकरण पहले कभी नहीं हुआ। लीग के उद्घाटन संस्करण में छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए

प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रत्येक टीम में अंतरराष्ट्रीय सितारों सहित पांच से आठ खिलाड़ी होंगे। लीग में टीमों के लिए भारतीय खिलाडियों और जूनियर खिलाडियों को रखना भी अनिवार्य होगा जो दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से कंधे से कंधा मिलाकर सीखने के लिए टीम का हिस्सा बनेंगे ऑल इंडिया पिकलबॉल फेडरेशन और इंटरनेशनल पिकलबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष अरविंद प्रभु ने भी पेशेवर पिकलबॉल लीग का स्वागत किया और कहा कि यह पहल देश में खेल का भविष्य बदल सकती है। पिकलबॉल 2008 के बाद से भारत में सबसे तेजी से बढ़ते खेलों में से एक रहा है। इस तरह की एक पेशेवर लीग केवल खेल के विकास को गति देगी और मुझे विश्वास दिलाती है कि अगले 5 वर्षों में हमारा संभावित लक्ष्य 1 मिलियन खिलाड़ी प्राप्त करना है। देश भर में पिकलबॉल में संलग्न होना हमारी पहुंच के भीतर है और संभावना है कि इस खेल का उल्लेख देश के शीर्ष -10 खेलों में किया जाएगा, उन्होंने टिप्पणी की।

वर्तमान में 80 से अधिक देशों में खेला जाने वाला पिकलबॉल एशिया प्रशांत क्षेत्र में बेहद लोकप्रिय है और पिछले कुछ वर्षों में भारत में 30,000 से अधिक शौकिया खिलाडियों और 18 राज्यों में 8000 पंजीकृत खिलाडियों के साथ यह खेल पहले से ही खेल रहा है। इस खेल को टेनिस की तुलना में कम जगह की आवश्यकता होती है और इसे सात से 70 साल की उम्र तक कोई भी खेल सकता है, जिससे यह दुनिया के कई हिस्सों में सबसे लोकप्रिय मनोरंजक और प्रतिस्पर्धी खेलों में से एक बन गया है।

मुझे आभास था कि कुछ अच्छा होगा भारत में वापसी पर खलील

नई दिल्ली, 10 मई 2024। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के तेज गेंदबाज खलील अहमद आईपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन के बाद टी20 विश्व कप टीम 2024 की भारतीय रिजर्व सूची में शामिल होने से खुश हैं, उन्होंने अब तक 12 मैचों में 14 विकेट लिए हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज, जिन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2019 में भारत के लिए खेला था, ने आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए स्टैंडबाय के रूप में स्थान अर्जित करते हुए, राष्ट्रीय टीम में अच्छी वापसी की है। खलील ने अपने दिल की बात कही और भारतीय टीम में वापसी की अपनी यात्रा के बारे में विस्तार से बात की और मौजूदा आईपीएल सीज़न में उच्च स्कोरिंग मैचों पर अपने विचार साझा किए।

बजरंग ने दोहराया कि नाडा उनके सवाल का जवाब देने में विफल रहा

नई दिल्ली, 10 मई 2024। टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता फ्रीस्टाइल पहलवान बजरंग पुनिया ने दोहराया कि उन्होंने डोप टेस्ट देने से इनकार नहीं किया था और यह नाडा ही था जो डोप टेस्ट के लिए एक्सपायर किट भेजने के उनके सवाल का जवाब देने में विफल रहा। पुनिया को 10 मार्च को सोनीपत में आयोजित परीक्षणों के दौरान मूत्र का नमूना उपलब्ध कराने में विफल रहने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। अपने अंतिम निलंबन आदेश की रिपोर्टों के बाद, पहलवान ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी भी अपना नमूना देने से इनकार नहीं किया और नाडा अधिकारियों से उस समाप्त हो चुकी किट के बारे में प्रतिक्रिया मांगी जो उन्होंने मेरा नमूना लेने के लिए भेजी थी। फ्रीस्टाइल पहलवान, जो 65 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हैं, ने शुक्रवार को एक्स पर एक लंबी पोस्ट में अपना रुख दोहराया, और कहा कि नाडा ने

उनके किसी भी संचार का जवाब नहीं दिया, एक एक्सपायर टेस्ट किट भेजने पर स्पष्टीकरण की मांग की, यह कहते हुए कि उन्होंने अधिकारियों को सूचित किया कि वह उनसे ऐसा स्पष्टीकरण प्राप्त होने पर अपना नमूना देंगे। यह स्पष्ट करना है कि, मैंने किसी भी स्तर पर डोपिंग नियंत्रण के लिए अपना नमूना देने से इनकार नहीं किया है। 10 मार्च 2024 को, जब कथित डोपिंग नियंत्रण अधिकारियों ने मुझसे संपर्क किया, तो मैंने उन्हें केवल यह याद दिलाया कि पिछली दो बार वे मेरा नमूना लेने आए थे। नमूना, उन्हें एक बार एक्सपायर हो चुकी किट मिल गई थी और दूसरी बार, उन्होंने तीन परीक्षण किटों के विपरीत एक एकल परीक्षण किट के साथ मुझसे संपर्क किया था। फिर मैंने उनसे जवाब मांगा क्योंकि नाडा ने स्पष्टीकरण मांगने वाले मेरे किसी भी संचार का जवाब नहीं दिया और उन्हें सूचित किया कि मैं उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त करने पर अपना नमूना दूंगा। इतना ही नहीं डोपिंग नियंत्रण अधिकारियों ने भी ऐसा नहीं किया। स्पष्टीकरण देने से इंकार कर दिया, उन्होंने मुझे उचित उपकरण ले जाने के इस उदाहरण पर कोई सबूत नहीं दिया और केवल उस स्थान से चले गए।

ईशान,अय्यर को केंद्रीय अनुबंध से बाहर रखने का फैसला अगरकर का

मुंबई, 10 मई 2024। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर रखने का फैसला मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर का था। बीसीसीआई से निर्देश मिलने के बावजूद घरेलू टूर्नामेंट नहीं खेलने पर ईशान और अय्यर को अनुबंध से बाहर रखा गया। ईशान पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद लंबे ब्रेक पर चले गए और आईपीएल में ही लौटे। वहीं अय्यर ने रणजी ट्रॉफी में सेमीफाइनल

और फाइनल समेत मुंबई के लिये कुछ मैच खेले। मुंबई टीम जब रणजी खेल रही थी तब अय्यर कोलकाता नाइट राइडर्स के मुंबई शिविर में भाग ले रहे थे। शाह ने बीसीसीआई कार्यालय पर मीडिया से बातचीत में कहा ,'' आप संविधान देख सकते हैं। मैं चयन समिति की बैठक बस बुलाता हूं।'' उन्होंने कहा ,''वह फैसला अजित अगरकर का था। जब इन दोनों खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट नहीं खेला तो उन्हें बाहर रखने का फैसला अगरकर का ही था। मेरा काम बस उस पर अमल करने का है। हमें संजू सैमसन जैसा अच्छा खिलाड़ी मिल गया। कोई भी अपरिहार्य नहीं है।'' शाह ने कहा कि उन्होंने बाद में दोनों खिलाड़ियों से बात भी की।

उन्होंने कहा ,'' मैने उनसे बात की। मीडिया में रिपोर्ट भी आई थी। हार्दिक पंड्या ने भी कहा था कि अगर बीसीसीआई सफेद गेंद के क्रिकेट के लिये उन्हें चुनता है तो वह विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलने के लिये तैयार है। हर खिलाड़ी को खेलना होगा , भले ही वह नहीं चाहता हो।'' गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच मैच के बाद उन्होंने ईशान से क्या बातचीत की, यह पूछने पर उन्होंने कहा ,'' मैने उसे कोई सलाह नहीं दी। यह दोस्ताना बातचीत थी कि उसे अच्छा खेलना चाहिये। मैं सभी खिलाड़ियों से ऐसे ही बात करता हूं।

शतरंज की ट्रेनिंग भले ही सस्ती दिखे लेकिन यह खेल काफी महंगा है

वारसॉ, 10 मई 2024। युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने शुक्रवार को शतरंज के लिए मजबूत वित्तीय समर्थन की मांग करते हुए इस अवधारणा को खारिज किया कि इस खेल में ट्रेनिंग के लिए कम वित्तीय राशि की जरूरत होती है। प्रज्ञानानंदा ने हाल में पहली बार टोरंटो में फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था और वह इस समय ग्रां शतरंज टूर के अंतर्गत रैपिड एवं ब्लिट्ज पोलैंड में खेल रहे हैं। इस 18 साल के खिलाड़ी ने कहा, ''शतरंज की ट्रेनिंग भले ही आसान और सस्ती दिखे लेकिन इसके लिए यात्रा करना और सामान इकट्ठा करना बहुत ही महंगा होता है। इसलिये मैं अडानी ग्रूप से सहयोग मिलने के लिए उनका आभारी हूं। ''प्रज्ञानानंदा ने पिछले कुछ वर्षों में तेजी से ऊपर की ओर कदम बढ़ाये हैं और इस दौरान मैग्नस कार्लसन सहित कुछ शीर्ष खिलाड़ियों को पराजित किया है। उन्होंने शतरंज के समर्थन के लिए कोरपोरेट जगत को आगे आने की जरूरत पर ध्यान दिलाते हुए कहा, ''शीर्ष

स्तर के अंतराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेना काफी मुश्किल हो सकता है क्योंकि ये काफी मंहगे होते हैं। '' उन्होंने कहा, ''मेरे माता पिता को वित्तीय परेशानियों का सामना करना पड़ा था लेकिन मेरा पहला प्रायोजक मिलने के बाद थोड़ी मदद मिली। '' अडानी ग्रूप की एक विज्ञप्ति में प्रज्ञानानंदा ने कहा, ''यह मुश्किल था क्योंकि मेरी बहन भी खेल रही थी और उसे भी टूर्नामेंट के लिए यात्रा करनी पड़ती थी। इसलिये खेलों के लिए कोरपोरेट प्रायोजक काफी जरूरी हैं। '' उनकी बड़ी बहन आर वैशाली टोरंटो में फिडे महिला कैंडिडेट्स में संयुक्त उप विजेता रही थीं। चेन्नई के इस युवा खिलाड़ी ने यह भी कहा कि शतरंज के 14 राउंड खेलने के लिए खिलाड़ी को शारीरिक रूप से भी फिट होना चाहिए और वह अपनी फिटनेस के लिए बैडमिंटन और बीच वॉलीबॉल खेलते हैं। उन्होंने कहा, ''कैंडिडेट्स की तैयारी के लिए मैं शारीरिक रूप से फिट होने के लिए कुछ खेल खेल रहा था। मैं शिविर के दौरान व्यायाम कर रहा था। हमें शतरंज की ट्रेनिंग के इतर शारीरिक ट्रेनिंग के लिए भी कुछ निश्चित समय दिया जाता है। हाल में मैंने बीच वॉलीबॉल खेलना शुरू किया।''

बदले की आग में जलते मनोज बाजपेयी की फिल्म भैय्या जी का दमदार टीजर हुआ रिलीज

फिल्म 24 मई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

मनोज बाजपेयी फिल्म इंडस्ट्री के टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर में एक से

बढ़कर एक फिल्में और वेब सीरीज की हैं। अब उनकी नई फिल्म भईया जी का टीजर रिलीज किया गया है जिसमें वो बदले की आग में जलते नजर आ रहे हैं। मनोज बाजपेयी का फिल्म में काफी खूंखार किरदार दिखाया जाएगा जिसे आप इस टीजर में देख सकते हैं.पहले भी मनोज बाजपेयी ने सस्पेंस और एक्शन सीन वाली फिल्में की हैं लेकिन इस बार उनके अभिनय में कुछ अलग देखने को मिलेगा। फिल्म का टीजर काफी पसंद किया जा रहा है और मेकर्स ने टीजर के साथ फिल्म की रिलीज डेट भी बताई है। पहले भी मनोज बाजपेयी ने सस्पेंस और एक्शन सीन वाली फिल्में की हैं लेकिन इस बार उनके अभिनय में कुछ अलग देखने को मिलेगा। फिल्म का टीजर काफी पसंद किया जा रहा है और मेकर्स ने टीजर के साथ फिल्म की रिलीज डेट भी बताई है.फिल्म के टीजर में दिखाया है कि एक सीधा-सादा इंसान अपने भाई की पढ़ाने के लिए सबकुछ करता है. लेकिन जब उसका भाई किसी साजिश का शिकार होकर मार दिया जाता है तब बदले की आग जल उठती है। टीजर देखकर फिल्म की कहानी तो कुछ ऐसी ही नजर आ रही, बाकी 24 मई को क्लियर होगा कि फिल्म की कहानी आखिर किस आधार पर होगी। मनोज बाजपेयी का ऐसा खूंखार रूप आपने शायद ही किसी फिल्म में देखा हो। फिल्म भईया जी का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है. वहीं फिल्म में मनोज बाजपेयी ही लीड एक्टर के तौर पर नजर आए हैं।

विजय देवरकोंडा के बर्थडे पर नई फिल्म का ऐलान,सामने आया खौफनाक फर्स्ट लुक पोस्टर

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक आर्टवर्क पोस्टर शेयर किया है और कैप्शन के साथ लिखा, खून में, वह उठेगा, राज करेगा और हर तरफ सामूहिक लहरों को प्रज्वलित करेगा!

विजय देवरकोंडा देश के सबसे पॉपुलर एक्टर में से एक हैं। साउथ इंडस्ट्री में तो एक्टर बेहद फेमस हैं ही वहीं बॉलीवुड में भी वे डेब्यू कर चुके हैं। फिलहाल 35वां बर्थडे के मौके पर एक्टर के फैंस को बड़ा तोहफा देते हुए निर्माता दिल राजू ने विजय की अपकमिंग पैन-इंडियन प्रोजेक्ट की भी अनाउंसमेंट कर दी है। विजय देवरकोंडा के बर्थडे पर मेकर्स ने एक दिलचस्प पोस्टर शेयर कर उनके पैन-इंडियन प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट की है। विजय की इस अपकमिंग फिल्म का टेंपरेरी नाम एसवीसी 59 है.। देवरकोंडा के नए प्रोजेक्ट के मेकर्स ने अपने एसवीसी 59, देवरकोंडा का मास अवतार.पोस्टर में,विजय के किरदार को फायरी बैकग्राउंड के साथ हाथ में खंजर पकड़े देखा जा सकता है। इस पोस्टर को तेलुगु, तमिल, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में लॉन्च किया गया है। इस प्रोजेक्ट की बाकी की कास्ट और क्रू के बारे में सारी जानकारी जल्द ही शेयर की जाएगी। वहीं पोस्टर के ऑनलाइन होने के तुरंत बाद, फैंस ने कमेंट सेक्शन में जाकर विजय के नए प्रोजेक्ट के बारे में अपनी खुशी जाहिर की. एक फैन ने लिखा, अनएक्सपेक्टेड एक अन्य ने लिखा, डबल ब्लॉकबस्टर फिल्म विजय अन्ना।

अक्षय कुमार अगस्त 2024 में ऑस्ट्रेलिया में एंटरटेनर्स टूर की करेंगे अध्यक्षता,नोरा फतेही और दिशा पटानी होंगी शामिल

अक्षय कुमार एक बार फिर बहुप्रतीक्षित द एंटरटेनर्स टूर की सुर्खियां बनेंगे। यह कार्यक्रम इस साल अगस्त में ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने के लिए पूरी तरह तैयार है। अक्षय के अलावा नोरा फतेही, दिशा पटानी, सुनील ग्रोवर, एलनाज नोरौजी, सोनम बाजवा और स्टेबिन बेन जैसी हस्तियां भी साथ होंगी।

पिछला सीज़न 2023 में उत्तरी अमेरिका में हुआ था और शानदार रूप से सफल रहा था। इस साल, द एंटरटेनर्स टूर अगस्त में वापस आएगा। एक बार फिर अक्षय कुमार इसकी कमान संभालेंगे। एक बार फिर, ये हस्तियां लाइव दर्शकों के सामने शानदार प्रदर्शन करेंगी और वैश्विक क्षेत्र पर अपनी छाप छोड़ेंगी। वर्ल्ड टूर का दूसरा सीज़न मेलबर्न और सिडनी में होगा। इसके अलावा, काम के मोर्चे पर, अक्षय कुमार ने आखिरकार जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर एक प्रशंसक द्वारा साझा किए गए एक स्पष्ट वीडियो में, बॉलीवुड स्टार को शूटिंग के बीच अजमेर में रेलवे खिलाड़ियों के साथ वॉलीबॉल खेल का आनंद लेते देखा गया। इसी का एक वीडियो हाल ही में वायरल हुआ था। पहली जॉली एलएलबी फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी। इसका सीक्वल 2017 में सिनेमाघरों में आया था। पहली फिल्म में अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला मुख्य भूमिका में थे। सीक्वल में अक्षय कुमार ने अरशद वारसी की जगह ली। उनके साथ हुमा कुरेशी भी शामिल थीं।

कथित तौर पर, तीसरी किस्त में, अक्षय कुमार और अरशद वारसी आमने-सामने होंगे, जबकि सौरभ शुक्ला जज के रूप में अपनी भूमिका दोहराएंगे। एक सूत्र ने पहले पिंकविला को बताया था यह मूल रूप से जॉली बनाम जॉली है, और पूरी कास्ट जॉली एलएलबी फ्रेंचाइजी के लिए इस महत्वाकांक्षी फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए उत्साहित है। टीम अभी भी जॉली एलएलबी 3 या जॉली बनाम जॉली नामक दो शीर्षकों पर विचार कर रही है, और घोषणा के करीब इस पर निर्णय लिया जाएगा एक साक्षात्कार में अरशद ने जॉली एलएलबी 2 में एमआईए जाने के पीछे का कारण बताया। मुझे कोई जानकारी नहीं है। मुझे लगता है कि निर्माता फिल्म को बेहतर बनाना चाहते थे। मुझे याद है कि मैंने सुभाष (कपूर, निर्देशक) से भी कहा था, आपको इसे अक्षय के साथ करना चाहिए। यदि आप अदालत कक्ष में भीड़ दिखाना चाहते हैं, तो मेरे साथ यह 500 होगी; अक्षय के साथ तुम्हें 5000 मिलेंगे। कहीं न कहीं, प्रोडक्शन के लोगों को एहसास हुआ, चलो एक बड़ा सितारा लें। लोगों ने मुझे देखना पसंद किया, इसलिए मैं वापस आ गया हूं। लोगों को मुझे और अक्षय को देखकर मजा आएगा।

फिलहाल जॉली एलएलबी 3 की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की गई है। जॉली एलएलबी 3 के अलावा अक्षय के पास सरफिरा, हाउसफुल 5, वेलकम टू द जंगल भी आने वाली है।

अनन्या पांडे से ब्रेकअप के बाद आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान साथ में पार्टी करते दिखे

ऐसा लगता है कि आदित्य रॉय कपूर अभिनेता अनन्या पांडे के साथ अपने कथित ब्रेकअप से आगे बढ़ रहे हैं। अभिनेता को हाल ही में अपनी मेट्रो इन डिनो की सह-कलाकार सारा अली खान के साथ एक मजेदार नाइट आउट पर देखा गया था, जिससे लोगों को आश्चर्य हुआ कि क्या अभिनेताओं के बीच कुछ पक रहा है।

तस्वीरों में आदित्य और सारा को फिल्म निर्माता अनुराग बसु के साथ अच्छा समय बिताते देखा जा सकता है। ऐसा कहा जाता है कि ये तस्वीरें मेट्रो इन डिनो के सेट पर आयोजित फिल्म निर्माता के जन्मदिन समारोह की हैं। तस्वीरों में आदित्य और सारा एक-दूसरे के करीब खड़े हैं, और एक-दूसरे के बीच काफी करीबी रिश्ते में नजर आ रहे हैं, जबकि अनुराग पार्टी में सेंटर स्टेज पर थे। तस्वीरों ने डेटिंग की अफवाहों को हवा दे दी है।अनन्या और आदित्य के रिश्ते में होने की अफवाहें पहली बार 2022 में सामने आईं, जो तब फैल गईं जब वे 2022 में कृति सनोन की दिवाली पार्टी में एक साथ दिखाई दिए। फिल्म निर्माता करण जौहर ने भी अपने टॉक शो के विभिन्न हालिया एपिसोड के दौरान अनन्या और आदित्य के बारे में संकेत दिए। तब से, उन्हें हवाई अड्डों और विदेश में छुट्टियों पर एक साथ देखा गया।इस हफ्ते की शुरुआत में, एक मनोरंजन दैनिक की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि आदित्य और अनन्या पांडे इस साल मार्च में अलग हो गए थे। अलग हो चुके जोड़े के एक करीबी सूत्र ने बताया कि वे एक-दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण रहते हुए आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं।रिपोर्ट में एक सूत्र लगभग एक महीने पहले उनका ब्रेकअप हो गया। वे काफी अच्छे चल रहे थे, और ब्रेकअप हम सभी के लिए एक सदमे के रूप में आया। वे एक-दूसरे के प्रति सौहार्दपूर्ण हैं। अनन्या आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है। निःसंदेह, चोट लगी है। वह अपने नए प्यारे दोस्त के साथ समय बिता रही हैं। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है। आदित्य भी स्थिति से परिपक्वता से निपटने की कोशिश कर रहे हैं।कॉफ़ी विद करण सीज़न 8 के एक एपिसोड के दौरान, सारा ने मेट्रो इन डिनो में आदित्य के साथ काम करने के बारे में अनन्या को चिढ़ाया। जब अनन्या, जो रैपिड-फायर राउंड हार गई थी, ने सारा के कॉफी हैंपर की एक झलक पाने की कोशिश की, तो सारा ने मजाक में कहा, अगर तुम मेरे हैंपर को छूओगे, तो मैं तुम्हारे हैंपर को छूउंगी।

जब सारा ने अनन्या से कहा कि वह ऐसा नहीं करेंगी, तो खो गए हम कहां के अभिनेता ने उन्हें एक पागल व्यक्ति कहा और जवाब दिया, बेहतर होगा कि आप ऐसा न करें।

पीकू के बाद फिर से पिता-बेटी के खूबसूरत रिश्ते की कहानी लेकर आ रहे हैं शूजीत सरकार

इस बार लीड एक्टर होंगे अभिषेक बच्चन

शूजीत सरकार की फिल्म पीकू एक पिता और बेटी की कहानी थी, जिसमें अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण के साथ इरफान खान मुख्य कलाकार थे। शूजित अब अभिषेक बच्चन के साथ एक फिल्म लेकर आ रहे हैं, जो पिता और बेटी के रिश्ते की कहानी दिखाएगी, लेकिन एक अलग अंदाज में। अभिषेक की फिल्म की रिलीज डेट दीपिका पादुकोण स्टारर पीकू की नौवीं सालगिरह पर सामने आई थी।

शूजीत सरकार ने इस आगामी फिल्म के बारे में क्या कहा?

अभिषेक बच्चन की फिल्म के बारे में बात करते हुए शूजीत ने कहा, हिंदी सिनेमा में पिता और बेटी के रिश्ते के बारे में ज्यादा बात नहीं की गई है, जबकि इस रिश्ते को लेकर हमेशा से कई बेहतरीन कहानियां बनने की संभावना रही है। पीकू की तरह यह कहानी भी होगी एक भावनात्मक रोलर कोस्टर।÷फिल्म 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यहां आपको बता दें कि फिल्म के टाइटल की अभी घोषणा नहीं की गई है। शूजीत की पिछली फिल्म सरदार उधम है, जो प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। क्रांतिकारी सरदार उधम सिंह की इस बायोपिक में विक्की कौशल ने शीर्षक भूमिका निभाई थी। फिल्म ओटीटी पर सफल रही। पीकू और सरदार उधम के अलावा शूजीत ने अक्टूबर और विक्की डोनर जैसी दिलचस्प फिल्में भी बनाई हैं।

भाजपा प्रत्याशी के चुनावी खर्चे में जुड़ेगा पं.धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम का खर्च

चुनाव आयोग ने सरोज पांडेय को जारी किया था नोटिस

मनेंद्रगढ़,10 मई 2024 (ए)। आचार संहिता के दौरान कोरबा लोकसभा के चिरमिरी में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हनुमंत कथा का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम का खर्च कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय के चुनावी खर्चे में जुड़ेगा। इसका निर्णय चुनाव आयोग ने कार्यक्रम स्थल की वीडियोग्राफी के आधार पर लिया है।

बता दें कि कोरबा लोकसभा के चिरमिरी के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम गोदरीपारा में 26 अप्रैल को हनुमंत कथा का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी हेलीकॉप्टर से चिरमिरी पहुंचे थे। हनुमत कथा के समापन के दौरान पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने आयोजकों के नाम का जिक्र करते हुए कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय, प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का नाम लेते हुए यह कहा था कि आयोजकों के लिए ताली बजाया जाए और वे मंच पर आएं, क्योंकि उन्होंने खर्चा किया है। कार्यक्रम स्थल की वीडियोग्राफी के आधार पर सरोज पांडेय को इस मामले में निर्वाचन आयोग ने नोटिस जारी किया था, जिसका जवाब देते हुए सरोज पांडेय ने कहा कि वे इस कार्यक्रम की आयोजक नहीं थी, न ही कार्यक्रम स्थल पर भाजपा का प्रचार हो रहा था। नोटिस के जवाब में सरोज पांडेय ने जवाब दिया था कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का कोई कार्यक्रम नहीं करवाया था, लेकिन निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम स्थल की करवाई गई वीडियोग्राफी व कांग्रेस की शिकायत के आधार व पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कबूलनामे के आधार पर निर्वाचन आयोग ने भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय के चुनावी खर्च में कार्यक्रम का खर्च जोड़ने का निर्णय लिया है।.

जानिए कितनी है चुनावी खर्च की सीमा

बता दें कि अब तक कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय की ओर से दिए गए खर्च ब्यौरे के आधार पर 5 मई तक 51 लाख 67 हजार 953 रुपए खर्च किए गए हैं। खर्च सीमा 90 लाख है. 29 लाख 37 हजार 179 रुपये शेष है। अगर धीरेंद्र शास्त्री के हनुमत कथा का खर्च 30 लाख से ऊपर जाता है तो भाजपा प्रत्याशी तय खर्च सीमा से ज्यादा राशि खर्च करने के मामले में फंसती नजर आएंगी, क्योंकि चिरमिरी में पं.धीरेंद्र शास्त्री का कार्यक्रम भव्य तौर पर आयोजित हुआ था.। हेलीकॉप्टर से धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पहुंचे थे। उनके लिए भव्य डोम के अलावा डोम के दोनों ओर पंडाल भी बनाया गया था।

पद से हटाए गए महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राम शंकर कुरील

डॉ अलंग को सौंपा गया प्रभार...राजभवन से जारी हुआ आदेश...

रायपुर,10 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल ने प्रदेश के महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इस संबंध में आज ही राजभवन से आदेश जारी किया गया है। राज्यपाल ने उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की धारा 17 अंतर्गत डॉ. राम शंकर कुरील को महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, पाटन, दुर्ग के कुलपति के पद से तत्काल प्रभाव से हटाये जाने का आदेश दिया गया है। आदेश के मुताबिक महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की धारा 14(7) अंतर्गत डॉ अलंग संभागायुक्त, रायपुर संभाग, रायपुर को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, पाटन, दुर्ग के कुलपति के रुप में दायित्व निवर्हन हेतु नामनिर्देशित किया गया है. आदेश के परिपालन में संभागायुक्त डॉ संजय अलंग ने आज ही कुलपति पद का कार्यभार भी ग्रहण कर लिया है।

सहायक प्राध्यापक की भर्ती प्रक्रिया में हुई थी अनियमितता

महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय द्वारा सहायक प्राध्यापक के 36 पदों की भर्ती प्रक्रिया की में भारी अनियमितता की गयी है। सहायक प्राध्यापक के पदों लिए बनाये गया स्कोर कार्ड में भारी गड़बड़ी सामने आयी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की गाइड लाइन के अनुसार पीएचडी एवं नेट की परीक्षा के लिए पृथक-पृथक अंक देना था, जो कि नहीं किया गया था. इस कारण बड़ी संख्या में पीएचडी उम्मीदवार उपलब्ध होते हुए भी गैर पीएचडी धारी अभ्यर्थियों का चयन एवं नियुक्ति की गई। सहायक प्राध्यापक की चयन समिति के गठन में भी दोषपूर्ण प्रक्रिया अपनाई गई. विवि की चयन समिति में कुलसचिव द्वारा साक्षात्कार के अंक दिए गए थे,परंतु कुछ अभ्यर्थियों के चयन में कुलसचिव को अंक देने से रोक दिया गया था। साथ में सहायक प्राध्यापक की नियुक्तियों को अनुमोदन देने वाले प्रबंध मंडल का गठन भी त्रुटिपूर्ण किया गया था। नामांकित व्यक्ति एवं विशेषज्ञ विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुरूप नहीं थे। इससे छत्तीसगढ़ प्रदेश के पात्र एवं पीएचडी उपाधि प्राप्त अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में कम अंक देकर अन्य प्रदेश के उम्मीदवारों की नियुक्ति की गई थी।

10 वीं-12 वीं के टॉपर्स से मुख्यमंत्री साय ने की वीडियो काल पर बात,दी बधाई

रायपुर,10 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में दसवीं-बारहवीं के नतीजे घोषित होने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दोनों कक्षाओं के टॉपर विद्यार्थियों से सीधे वीडियो काल पर बात कर बधाई दी। बच्चों के लिए अपने मुख्यमंत्री से इस तरह अचानक रुबरू होना बेहद आनंददायक अनुभव रहा।

सीएम साय ने बच्चों से उनके भविष्य की योजनाओं के बारे में भी पूछा। अपने मुख्यमंत्री से सीधे वीडियो काल पर जुड़े भावविभोर बच्चों में से किसी ने आईएएस बनने,तो किसी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट, तो किसी ने बैंकिंग सेक्टर में जाने की योजनाएं बताई। सीएम साय ने उनकी हर मनोकामना पूरी होने की कामना की और उन्हें लगातार परिश्रम करते रहने को कहा। बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए मुख्यमंत्री ने बच्चों सहित उनके अभिभावकों और गुरुजनों को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि कल छत्तीसगढ़ में माध्यमिक शिक्षा मंडल ने दसवीं और बारहवीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित किये। जिसमें दसवीं में क्रमशः जशपुर की सिमरन शब्बा,गरियाबंद की होनिशा और जशपुर के ही श्रेयांश यादव टॉप थ्री में रहे। वहीं बारहवीं में क्रमशः महासमुंद की महक अग्रवाल, बलौदाबाजार की कोपल अम्बष्ठ और जशपुर की आयुषी गुप्ता और बलौदाबाजार की प्रीति टॉप थ्री में रहीं।. दसवीं का परीक्षा परिणाम 75.61 प्रतिशत और बारहवीं का परीक्षा परिणाम 80.74 प्रतिशत रहा।

स्वामी आत्मानंद स्कूलों का नाम बदले जाने का कांग्रेस विरोध करेगीः दीपक बैज

छत्तीसगढ़ के साधु-संतों का अपमान कर रही है भाजपा

पीएमश्री स्कूल बनाना है तो नए स्कूल खोल लें बीजेपी

रायपुर,10 मई 2024 (ए)। स्वामी आत्मानंद स्कूलों का नाम बदले जाने का कांग्रेस हर स्तर पर विरोध करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद जी छत्तीसगढ़ में जन्में एक विद्वान संत और विश्वविख्यात आध्यात्मिक व्यक्तित्व थे और इसीलिए कांग्रेस की सरकार ने इस योजना का नाम उनके नाम पर रखा था। अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार उनके नाम को हटाना चाहती है। शासन की ओर से 'स्वामी आत्मानंद स्कूल योजना' का नाम बदलकर 'पीएमश्री' करने का आदेश जारी किया गया है, इसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों की सहमति लेने की कोशिश हो रही है। कांग्रेस पार्टी की ओर से हम सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से अपील करते हैं कि सरकार की ओर से इस तरह का कोई प्रस्ताव आता है तो इसका लिखित और मुखर विरोध करना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद छत्तीसगढ़ की धरोहर थे। भाजपा सरकार उनके नाम को सिर्फ इसलिये बदलना चाहती है कि उनके नामों को पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने शुरू किया था। छत्तीसगढ़ के एक विश्वविख्यात संत और आध्यात्मिक व्यक्ति के नाम पर चल रही योजना का नाम बदलने से पता चलता है कि अब भाजपा को संतों और धार्मिक व्यक्तियों से भी दिक्कत होने लगी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद छत्तीसगढ़ की विभूति है, उनके नाम से जो स्कूल चालू किया गया था यह स्कूल एक महत्वकांक्षी योजना के तहत शुरू किया गया था। गरीबों के बच्चों को मुफ्त अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा दी गयी और उसके सार्थक परिणाम भी सामने आये। 10 वी और 12 वी में 75 फीसदी से अधिक बच्चे प्रवीण्य सूची में आये। ऐसे में स्कूल का नाम दलीय दुर्भावना से बदला जाना दुर्भाग्यजनक है। भारतीय जनता पार्टी के इन स्कूलों के सामने पीएम श्री लगायेगी। प्रधानमंत्री का या केन्द्र सरकार का इन स्कूलों के स्थापना में क्या योगदान है? पिछले 5 महीनों से इन स्कूलों के शिक्षकों को वेतन क्यों नही दिया जा रहा है सीधे-सीधे इन स्कूलों को बंद करने की साजिश भारतीय जनता पार्टी कर रही है। यह छत्तीसगढ़ के गरीब, मध्यम बच्चों के साथ अन्याय है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद के तहत लगभग 700 स्कूल है। उन स्कूलों पर स्ट्रक्चर डेवलपमेंट किया जा चुका है। स्कूलों में अच्छे शिक्षकों की नियुक्ति की जा चुकी है। स्कूलों में बच्चो की भर्ती शुरू हो चुकी है। परीक्षा परिणाम बेहतर आ रहे है। पीएमश्री के माध्यम से कुछ नया करता चाहते है,कुछ नया जोड़ना चाहते है तो नये स्कूलों का चयन करना चाहिये। स्वामी आत्मानंद स्कूलों को ही टारगेट किया जाना सरकार की बदनीयती को दर्शाता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद आरंभ से ही मेधावी छात्र रहे और नागपुर विश्वविद्यालय में गणित में एमएससी प्रवीणता के साथ पास की थी। उनकी जीवनी में लिखा है कि वे आईएएस (तत्कालीन आईसीएस) के लिए चयनित हो गए थे पर जनसेवा के लिए उन्होंने संन्यास का रास्ता चुना। उनके ज्ञान की वजह से दुनिया भर में उन्हें प्रवचन देने के लिए बुलाया जाता था। छत्तीसगढ़ में हमेशा उन्हें गौरव के रूप से देखा जाता रहा है। इसीलिए जब वंचित वर्ग के बच्चों के लिए कांग्रेस की सरकार ने अंग्रेज़ी माध्यम के स्कूल खोलने का निर्णय लिया तो योजना को स्वामी आत्मानंद जी के नाम पर रखने का फ़ैसला किया गया। अगर भाजपा की सरकार सिर्फ़ इसलिए स्वामी आत्मानंद योजना का नाम बदलना चाहती है क्योंकि यह कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में शुरु हुई योजना है तो यह एक आध्यात्मिक विद्वान व्यक्तित्व के बारे में भाजपा के नेताओं की सोच को दर्शाता है।

लोकसभा चुनाव के ठीक बाद हो सकता है नगरीय निकाय चुनाव की तारीखों का ऐलान

रायपुर,10 मई 2024 (ए)। प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव की तारीखों का ऐलान अक्टूबर के बाद कभी भी हो सकता है। छत्तीसगढ़ में अभी लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। करीब छह महीने पहले (नवंबर-दिसंबर 2023) में विधानसभा का चुनाव हुआ है। यानी पहले राज?य सरकार और अब देश की सरकार का चुनाव हो रहा है। आम चुनाव के बाद राज?य में शहर सरकार (नगरीय निकाय) चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। हालांकि इस चुनाव से पहले राज्य सरकार को चुनाव आयुक्त के रिक्त पड़े पद पर नियुक्ति करनी होगा। इससे पहले राज्य में नवंबर 2019 में निकाय चुनाव हुआ था। 25 नवंबर को चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा के साथ नगरीय निकाय चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हुई थी। 30 नवंबर को अधिसूचना के प्रकाशन के साथ नामांकन की प्रक्रिया शुरू हुई। 6 दिसंबर 2019 को पर्चा दाखिल करने का अंतिम दिन था। 21 दिसंबर को मतदान और 24 दिसंबर को मतगणना हुई थी। 2019 में प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव ईवीएम की बजाय वैलेट पेपर से कराए गए थे। तत्कालीन सरकार ने चुनाव से पहले महापौर के चुनाव को लेकर भी नियमों में बदलाव किया था। 2019 से पहले महापौर का चुनाव सीधे जनता करती थी, लेकिन तत्काली कांग्रेस सरकार ने इस नियम में संशोधन किया। इसमें महापौर का चुनाव चुने गए पार्षदों को सौंप दी गई। प्रदेश में निर्वाचन आयुक्त का पद नवंबर 2023 से खाली है। राज्य निर्वाचन आयुक?त रहे ठाकुर राम सिंह का कार्यकाल 29 नवंबर को खत्म हो चुका है। ठाकुर का कार्यकाल जब समाप्त हुआ तब राज्य में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी, ऐसे में नए आयुक्त की नियुक्ति नहीं हो पाई।

आईपीएस जीपी सिंह को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

राजद्रोह मामले पर लगाई रोक

बिलासपुर,10 मई 2024 (ए)। आईपीएस जीपी सिंह को हाईकोर्ट से एक बार फिर से बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट ने जीपी सिंह के खिलाफ दर्ज राजद्रोह के केस पर रोक लगा दी है. बता दें कि 1994 बैच के आईपीएस जीपी सिंह के खिलाफ पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार ने राजद्रोह का मामला दर्ज किया था. मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने केस की प्रोसिडिंग पर रोक लगा दी है। इससे पहले बीते 2 मई को आईपीएस जीपी सिंह को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली थी। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने उनके खिलाफ सुपेला थाने में दर्ज एफआईआर पर रोक लगा दी. जीपी सिंह ने इस एफआईआर को समाप्त करने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर

पीडिया के जंगलों में सुबह से जारी मुठभेड़ ख़त्म, सीएम साय ने की पुष्टि

बीजापुर,10 मई 2024 (ए)। गंगालूर थाना क्षेत्र स्थित पीडिया के जंगलों में 11 घंटों से जारी मुठभेड़ में पुलिस ने एक दर्जन नक्सलियों को ढेर कर दिया है। घटनास्थल से नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए गए हैं। सीएम विष्णु देव साय ने पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सलियों और जवानों के बीच जारी मुठभेड़ समाप्त हो गई है। एंटी नक्सल ऑपरेशन पर बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा से डीआजी, एसटीएफ, कोबरा और सीआरपीएफ के करीब 1200 जवान निकले हैं। बड़े नक्सल लीडर्स की मौजूदगी की सूचना पर ऑपरेशन लॉन्च किया गया था। गंगालूर थाना क्षेत्र के पीडिया के जंगलों में 11 घंटों से मुठभेड़ जारी है. एनकाउंटर पर बस्तर आईजी, डीआईजी समेत तीन जिलों के एसपी नजर जमाए हुए हैं।

थाने में जाए बिना मकान मालिक दे पाएंगे किराएदारों की जानकारी

ऐप की पायलट टेस्टिंग में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने परखी उपयोगिता

रायपुर 10 मई 2024 (ए)। मकान मालिकों को अपने किराएदारों की जानकारी साझा करने के लिए थाने में जाकर कागजी कार्रवाई की दिक्कत से निजात दिलाने छत्तीसगढ़ सरकार एप विकसित कर रही है।. इस ऐप के पायलट टेस्टिंग के दौरान स्वयं उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने उपयोगिता परखी।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे इस ऐप की उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा उपयोगिता परखे जाने का वीडियो सोशल मीडिया साइट एक्स पर उज्जवल दीपक नामक यूजर ने शेयर किया है। उन्होंने बताया कि इस एप में केवल एक सुविधा नहीं बल्कि अनेकों सुविधाएं होंगी। जन सामान्य के लिए समर्पित इस ऐप की पायलट टेस्टिंग के लिए एक जिले में ट्रायल किया गया है। इसके प्रस्तुतिकरण के दौरान मौजूद उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने सॉफ्टवेयर में उपलब्ध डाटा में से एक मोबाइल नंबर डायल कर सत्यापन कर संतुष्टि जताई।

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन और वेंटिलेटर की कमी से बच्चों की मौत को हाईकोर्ट ने माना गंभीर

बिलासपुर,10 मई 2024 (ए)।प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन और वेंटिलेटर की कमी के चलते बीते पांच साल में 40 हजार बच्चों की मौत को हाईकोर्ट ने गंभीर माना है. चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रजनी दुबे की डिवीजन बेंच ने जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि शासन की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि सरकारी अस्पतालों में बेड और वेंटिलेटर की कमी चिंताजनक हैं। दरअसल, सरकारी अस्पतालों की अव्यवस्था और सुविधाओं की कमी को लेकर खबर आई थी, जिसके मुताबिक पिछले पांच साल में शून्य से लेकर पांच साल की उम्र के 40 हजार बच्चों की मौत हुई है. इनमें 25 हजार से ज्यादा बच्चों की मौत तो जन्म के महज एक माह के भीतर हो गई. इसी तरह मृत जन्म यानी स्टिल बर्थ की संख्या भी 24 हजार से ज्यादा है. ऐसे में प्रदेश में औसतन हर साल 8 हजार से ज्यादा शिशुओं की मौत हो रही है। खबर को लेकर हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया, और मामले की जनहित याचिका के रूप में सुनवाई चल रही है. इस मामले की सुनवाई के दौरान शासन ने हाईकोर्ट में रिपोर्ट पेश की गई, कोर्ट ने कहा, इस रिपोर्ट के अनुसार अस्पतालों में ऑक्सीजन और बेड की कमी है जो जरूरत से आधी है. कोर्ट ने शासन की रिपोर्ट का न्यायिक अधिकारी से परीक्षण कराने के बाद पेश करने के लिए कहा है।

छत्तीसगढ़ में फिर बरसेंगे बदरा

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

रायपुर,10 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में बीते दिनों बदली और बारिश के चलते प्रदेशवासियों को गर्मी से राहत मिली। अब मौसम विभाग ने आज प्रदेश के कुछ हिस्सों में तेज हवा के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में एक्टिव 3 सिस्टम के चलते आज शुक्रवार को बिलासपुर और सूरजपुर संभाग में आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई है। वहीं आज प्रदेश के अधिकतम तापमान में मामूली वृद्धि होगी। आज प्रदेश का अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने बताया कि 2 दिनों के बाद प्रदेश के तापमान में अधिक वृध्दि होगी और 15 मई के बाद प्रदेश में तेज गर्मी पड़ेगी।

बीते दिन प्रदेश का मौसम ऐसा रहा...

बता दें, बुधवार को राजधानी रायपुर सहित अन्य जिलों में तेज बारिश के चलते तापमान में 4 से 5 डिग्री तक गिरावट देखी गई। गुरुवार को प्रदेश का अधिकतम तापमान रायगढ़ में 40.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान नारायणपुर में 19.9 डिग्री दर्ज की गई। राजनांदगाँव में 39 डिग्री और बिलासपुर में 38.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)